RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

# स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 93 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,मंगलवार, 29 सितंबर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ नए सत्र के बीच भाषा बदलना बच्चों के लिए परेशानी

## क्लास 6 के बच्चों पर भी लागू नहीं होगा थ्री लैंग्वेज फॉर्मूला

### सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई को दिया निर्देश, वर्तमान कक्षा 6 के छात्रों को कक्षा 7 के छात्रों की तरह ही इस नीति के तहत छूट दी जाए

● नई दिल्ली

क्लास 6 में पहुंचते ही बच्चों के लिए पढ़ाई का एक नया दौर शुरू होता है लेकिन इस बार कुछ छात्रों के सामने किताबों और नए विषयों के साथ भाषा बदलने की चिंता भी दिखाई दे रही है। सीबीएसई की थ्री लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर यही सवाल सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। अब कोर्ट ने मौजूदा कक्षा 6 के छात्रों को बड़ी राहत देते हुए बड़ा निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि वर्तमान कक्षा 6 के छात्रों को कक्षा 7 के छात्रों की तरह ही इस नीति के तहत छूट दी जाए। दरअसल, इसे लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब 2026-27 के सत्र से कक्षा 6 में तीन भाषाओं की व्यवस्था लागू की गई। कई स्कूलों और याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि कुछ छात्र पहले से दूसरी भाषाएं पढ़ रहे हैं और अब उनसे भाषा बदलने को कहा जा रहा है। ऐसे में नए सत्र के बीच भाषा बदलना बच्चों के लिए परेशानी की वजह बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इसी परेशानी पर ध्यान दिया। कोर्ट ने कहा कि बच्चों को अनावश्यक कठिनाई में डालने के बजाय उन्हें सुविधा दी जानी चाहिए।

#### बच्चों को सुविधा चाहिए

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने सुझाव दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति बनाकर उन स्कूलों और याचिकाकर्ताओं से बात की जाए, जो इस व्यवस्था को लेकर अपनी परेशानियां बता रहे हैं। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण ने कहा कि अब किसी और समिति की जरूरत नहीं है और इस मामले में स्पष्ट फैसला लिया जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि कोर्ट बच्चों को मुश्किल में डालने के बजाय उन्हें सुविधा देना चाहता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा कक्षा 6 के छात्रों को भी वही राहत दी जानी चाहिए जो कक्षा 7 के छात्रों को मिली है।

#### आखिर क्या है थ्री लैंग्वेज पॉलिसी विवाद

**सीबीएसई** की नई व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के तहत तीन भाषाओं की पढ़ाई से जुड़ी है। कक्षा 6 से छात्रों के लिए आर1, आर2 और आर3 के तहत तीन भाषाओं की व्यवस्था लागू की जा रही है। सीबीएसई के दिशानिर्देशों में कम से कम दो भारतीय भाषाओं को शामिल करने की बात कही गई है। विवाद तब शुरू हुआ जब मौजूदा कक्षा 6 के छात्रों के लिए यह व्यवस्था नए शैक्षणिक सत्र में लागू की गई। याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट में कहा गया कि कई बच्चे चौथी कक्षा से ही अपनी पसंद की भाषाएं पढ़ रहे हैं। ऐसे में कक्षा 6 में अचानक भाषा बदलने से उन्हें परेशानी हो सकती है। सुनवाई के दौरान किताबों का मुद्दा भी सामने आया है। सरकार की ओर से कहा गया कि किताबें उपलब्ध हैं लेकिन याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि किताबें ऑनलाइन उपलब्ध होने और बच्चों के पास उनकी भौतिक प्रतियां होने में अंतर है। सीबीएसई ने अपने मई के आधिकारिक सत्र में कहा था कि निर्धारित भाषाओं की आर3 पाठ्यपुस्तकें एनसीईआरटी और सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध कराने की योजना है।

## 42 साल बाद टूटा पीटी ऊषा का रिकॉर्ड




## विथ्या रामराज ने 400 मी. बाधा दौड़ में रचा इतिहास

● नई दिल्ली




सोमवार को एशियाई खेलों में भारत के गुलवीर सिंह ने 1500 मीटर दौड़ इवेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। इसके अलावा महिला धावक विथ्या रामराज ने 400 मीटर बाधा दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर दिग्गज धाविका पीटी उषा का 42 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। विथ्या ने 54.75 सेकेंड में रेस पूरी की। यह उनका पर्सनल बेस्ट रहा। इसके साथ उन्होंने पीटी उषा का 42 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिया। 1984 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में दिग्गज पीटी उषा ने 55.42 सेकेंड के साथ नेशनल रिकॉर्ड कायम किया था। अब यह रिकॉर्ड विथ्या रामराज के नाम पर दर्ज हो गया है। इवेंट में संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम ने पहले पायदान पर रहते हुए गोल्ड मेडल जीता, जबकि कजाखस्तान की एडेलिना जेम्स ने दूसरे नंबर पर रहकर सिल्वर पर कब्जा जमाया। मरियम ने 54.31 सेकेंड में रेस खत्म की।

#### विथ्या के पिता ट्रक ड्राइवर

**पदक** जीतने के बाद विथ्या ने कहा कि उनका ध्यान पदक से ज्यादा समय पर था। उन्होंने बताया कि उनके कोच ने 54 सेकंड का समय निकालने का लक्ष्य दिया था। कोच ने उन्हें तेज शुरुआत करने और छठी बाधा तक गति बनाए रखने की सलाह दी थी। इसके बाद उन्होंने फिनिश लाइन तक पूरी ताकत लगाने की कोशिश की। विथ्या रामराज का जन्म 20 सितंबर 1998 को तमिलनाडु के कोयंबटूर में हुआ। उनके पिता ट्रक ड्राइवर और मां गृहिणी हैं। उनकी जुड़वां बहन नित्या भी एथलीट हैं। विथ्या भारतीय रेलवे में नौकरी करती हैं।

#### विथ्या रामराज का दूसरा मेडल

**यह** मौजूदा एशियाई खेलों में विथ्या रामराज का दूसरा मेडल रहा। इससे पहले उन्होंने 4 गुणा 400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम के साथ सिल्वर मेडल जीता था। लगातार उनकी तरफ से शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। एशियन गेम्स में भारत के मेडल का आंकड़ा 40 के पार पहुंच गया है। अब तक भारत के खाते में 4 गोल्ड मेडल आ चुके हैं। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने सिल्वर और ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाया है। अब तक कुल 41 मेडल हो चुके हैं। इसके साथ भारत टैली में 12वें पायदान पर है।

## अब बिजली बिल में जुड़ सकता है ट्रैफिक चालान

### कोर्ट ने कहा- सिर्फ ई-चालान जारी करते रहना काफी नहीं

● नई दिल्ली / आरएनएन




सुप्रीम कोर्ट ने ट्रैफिक चालान की वसूली को लेकर अधिकारियों को जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सुझाव दिया कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं तो इसकी वसूली के लिए बिजली बिल जैसे दूसरे सरकारी बकाये के साथ रकम जोड़ने जैसे तरीकों पर विचार किया जा सकता है। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि सिर्फ ई-चालान जारी करते रहना काफी नहीं है।

पुलिस हजारों और लाखों ई-चालान जारी कर सकती है। लेकिन असली सवाल इन चालानों पर लगाए गए जुर्माने की वसूली का है। कोर्ट को जानकारी दी गई कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ई-चालान के करीब 45000 करोड़ रुपये वसूलने हैं। इनमें से अब तक करीब 25000 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि अधिकारियों को जमीनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए काम करना होगा।

## 2000 से ज्यादा यूपीआई वाले चार्ज पर रोक लगाने से इंकार

### सुप्रीम कोर्ट में केंद्र बोला- यह टैक्स नहीं, सीजेआई की बेंच ने पूछा- फिर ये क्या है, जल्द हलफनामा दें

● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसके तहत 15 अक्टूबर से 2,000 रुपए से ज्यादा के कुछ खास यूपीआई पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर एमडीआर लगाया जाना है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2,000 से रुपये से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर लगाने को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब भी मांगा है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि गेटवे का इस्तेमाल करने वाले 96 प्रतिशत लोग इससे छूट के दायरे में आते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला कानूनी से ज्यादा तकनीकी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने केंद्र सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) समेत सभी पक्षों को चार हफ्ते के भीतर अपना जवाब (काउंटर एफिडेविट) दाखिल करने का निर्देश दिया।

#### एमडीआर की रकम का बंटवारा

**व्यापारियों** से वसूला जाने वाला एमडीआर न तो कोई टैक्स है, न सेस और न ही कोई सरचार्ज। यह दरअसल उस डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को चलाने का खर्च है, जिसे बैंक और फिनटेक कंपनियां संभालती हैं। कुल एकत्रित एमडीआर रकम का 40 प्रतिशत हिस्सा ग्राहक के उस बैंक को जाता है, जहां से पैसा कटता है। इसके बाद 30 प्रतिशत रकम पेमेंट गेटवे को, 20 प्रतिशत हिस्सा यूपीआई सर्विस देने वाले मोबाइल ऐप को और बचा हुआ 10 प्रतिशत हिस्सा यूपीआई ऐप के स्पॉन्सर बैंक को दिया जाता है। इस पूरी व्यवस्था का मकसद बैंकों और टेक्नोलॉजी कंपनियों को निर्बाध सेवाएं देने के योग्य बनाए रखना है।

## टीएमसी विवाद 4 महीने में सुलझाए चुनाव आयोग

### चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी थी छह महीने की मोहलत

● नई दिल्ली / आरएनएन

#### नाम और निशान को लेकर चल रहा है विवाद

टीएमसी के नाम और उसके चुनाव चिन्ह फूल और घास को लेकर चल रहा कानूनी विवाद जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वो इस मामले में चार महीने के भीतर अपना आखिरी फैसला सुनाए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की स्पेशल बेंच ने इस मामले की सुनवाई की।

अदालत ने सभी आयोग को निर्देश दिया है कि वो चार सप्ताह के भीतर अपनी सभी लिखित दलीलें और जरूरी दस्तावेज पूरी कर लें। कोर्ट ने कहा कि जैसे ही दलीलें दाखिल करने की ये समय-सीमा खत्म होगी, उसके ठीक बाद चुनाव आयोग को चुनाव चिह्न आदेश के पैरा 15 के तहत इस पूरे विवाद पर तीन महीने के भीतर अपना आखिरी फैसला देना होगा। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से अदालत को बताया गया कि ये मामला बेहद जटिल प्रकृति का है, इसलिए इस पर सही फैसला लेने के लिए आयोग को कम से कम छह महीने का समय चाहिए। आयोग की तरफ से ये भी हवाला दिया गया कि आने वाले दिनों में देश के पांच अलग-अलग राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जिसके चलते बहुत ज्यादा काम है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत से SIR पर रोक की मांग

## 2000 जाने-माने नागरिकों ने सीजेआई को लिखा खुला पत्र

### पत्र में ईसी पर ईसीआईनेट और फॉर्म 6 में बिना वैधानिक अनुमति बदलाव करने के आरोप लगाए

● नई दिल्ली

देश के 2,000 से अधिक जाने-माने नागरिकों ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत को खुला पत्र लिखकर निर्वाचन आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर की वैधता और उसकी प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा पूरी होने और कोर्ट का फैसला आने तक इस पर तुरंत रोक लगाने की गुहार लगाई है।

चिट्ठी लिखने वालों ने सीजेआई से इस गंभीर मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेने की अपील की है। इन नागरिकों ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह चुनाव आयोग के आचरण और उसकी भूमिका पर स्वतः संज्ञान लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू करे।

#### आंतरिक मतभेद का दिया हवाला

**हस्ताक्षर** करने वाले नागरिकों ने कथित आधिकारिक रिकॉर्ड का हवाला देते हुए दावा किया कि तीन सदस्यीय निर्वाचन आयोग के भीतर भी आंतरिक मतभेद हैं। उनके अनुसार, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीने की अवधि में कम से कम 14 बार उन फैसलों पर अपनी लिखित आपत्ति दर्ज कराई थी, जो उनकी जानकारी या सहमति के बिना लिए गए थे। इन नागरिकों ने मतदाता सूचियों से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने और सॉफ्टवेयर लॉक्स की वजह से स्थानीय अधिकारियों को आ रही तकनीकी दिक्कतों की कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र जांच और ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म के व्यापक ऑडिट की मांग की है।

## यूएस स्पेशल ड्रग्स पर नहीं लगाएगा टैरिफ

**वॉशिंगटन, आरएनएन।** अमेरिका ने भारत समेत 20 देशों से आयातित कुछ स्पेशलिटी दवाओं और उनके संबंधित इंग्रीडिएंट्स पर कोई एड वैलोरम टैरिफ नहीं लगाने का फैसला किया है। अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट द्वारा जारी नोटिस में ये जानकारी दी गई है। ये कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब वाशिंगटन 29 सितंबर से कुछ पेटेंटेड फार्मास्यूटिकल इंपोर्ट और उनसे जुड़े इंग्रीडिएंट्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के के अनुसार, यूएस भारत और 19 अन्य देशों से आयातित कुछ खास दवाओं और उनसे जुड़े इंग्रीडिएंट्स पर कोई एड वैलोरम (मूल्य-आधारित) टैरिफ नहीं लगाएगा। नोटिस के अनुसार, जीरो प्रतिशत टैरिफ की दर उन प्रोडक्ट्स पर लागू होगी, जिनका इस्तेमाल गंभीर बीमारियों के इलाज, बांझपन के इलाज, सेल थेरेपी, जीन थेरेपी, एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स और जानवरों की दवाओं में होता है।

नई पारी | सचिन ने चैटजीपीटी से प्लान की फैमिली ट्रिप, कहा- मुझे जानना है एआई के साथ क्या-क्या कर सकता हूं

## अब चैटजीपीटी की पिच पर उतरे क्रिकेट के भगवान

● मुम्बई



भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर अब तकनीक (एआई) की दुनिया से जुड़ गए हैं। उन्होंने एआई कंपनी ओपनएआई के साथ साझेदारी की है। तेंदुलकर ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से पोस्ट करके अरने और ओपन एआई के बीच हुई अपनी नई पार्टनरशिप की घोषणा की है।

एक्स पोस्ट में वीडियो शेयर की है। इसमें वे एआई टूल का इस्तेमाल करते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा मैं ओपनएआई के साथ अपनी इस साझेदारी की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में उन्होंने अपने परिवार के साथ ट्रिप पर जाने के लिए चैटजीपीटी के साथ मिलकर प्लानिंग की। सचिन तेंदुलकर ने अपने ट्वीट में लिखा कि वे उनको हमेशा से नई चीजें जानने की उत्सुकता रहती है। एक सवाल से अक्सर दूसरा सवाल पैदा होता है और चैटजीपीटी ने निश्चित रूप से इस आदत को बढ़ावा दिया है। लेकिन परिवार के साथ पिछली ट्रिप प्लान करने जैसे कामों में भी यह बहुत काम आया है। इस साझेदारी से उन्हें काफी उम्मीद है। उन्हें यह जानना है कि चैटजीपीटी के साथ और क्या-क्या किया जा सकता है, जो चीजें उन्हें उपयोगी लगीं उन्हें दूसरों के साथ शेयर करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी पसंद की चीजों के लिए इसे आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना।

#### चैटजीपीटी ने 10 सवालों में पहचान लिया सचिन को

पार्टनरशिप की घोषणा के साथ तेंदुलकर ने एक वीडियो भी शेयर किया। इसमें उन्होंने चैटजीपीटी को एक मजेदार चुनौती दी। उन्होंने एआई चैटबॉट से कहा कि वह अधिकतम 10 सवाल पूछकर उनकी पहचान करे। चैटजीपीटी ने तय सीमा के भीतर यह पहचान लिया कि सामने सचिन तेंदुलकर हैं। यह छोटा सा प्रयोग उनकी नई पार्टनरशिप के मुख्य आइडिया को भी दिखाता है कि कैसे एआई का इस्तेमाल सिर्फ जानकारी हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि सवाल पूछने, चीजों को एक्सप्लोर करने और रोजमर्रा के काम आसान बनाने के लिए भी किया जा सकता है।

#### क्या है इसका उद्देश्य

**सचिन** तेंदुलकर द्वारा कही गई ये सभी बातें यह साफ दिखाती हैं कि खेल के मैदान पर दशकों तक भारत का मान बढ़ाने के बाद अब वे देश में तकनीक और एआई की पहुंच को आम लोगों तक आसान और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही उनके ट्वीट से यह भी साफ हो गया कि वे परिवार के साथ ट्रिप पर जाने के लिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल करके प्लानिंग की। फिलहाल, इस साझेदारी को परिणाम क्या होगा, इसकी कोी जानकारी नहीं है। इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। हो सकता है कि चैटजीपीटी के कुछ ऐसे फीचर्स के बारे में पता चले जो काफी काम के हों। या फिर नए मॉडल या फीचर को लॉन्च भी क्या जा सकता है।

## दिल्ली में बिना पीयूसी अब नहीं मिलेगा ईंधन

### दिल्ली में पॉल्यूशन से निपटने के लिए युद्धस्तर पर तैयारी

● नई दिल्ली / आरएनएन

#### एक नवंबर से पार्किंग चार्ज डबल

सर्दियों की शुरुआत से काफी पहले ही दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक्टिव हो गई है। सोमवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि अब राजधानी में पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के लिए 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता राजधानी में सर्वाधिक वायु प्रदूषण और यातायात वाले स्थानों का निरीक्षण करेंगी। इन फैसलों को 1 नवंबर से राजधानी में लागू किया जाएगा। दिल्ली में पॉल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार ने 1 नवंबर से पार्किंग चार्ज डबल करने का फैसला किया।

# जहाजपुर पालिका की पहली सभा में गूंजा शहर के विकास का एजेंडा, पार्षदों ने खोली समस्याओं की पोटली...

## सफाई, बिजली-पानी से लेकर आवारा गोवंश, सीसीटीवी, एम्बुलेंस और बजरी तक के मुद्दे उठे; त्योहारों से पहले व्यवस्थाएं दुरुस्त करने पर जोर

स्मार्ट हलचल

**अलकेश पारीक जहाजपुर।** नगर पालिका बोर्ड के गठन के बाद पहली साधारण सभा की बैठक सोमवार को विधायक गोपीचंद मीणा एवं पालिका अध्यक्ष अलकेश वैष्णव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर के विकास, साफ-सफाई, बिजली-पानी, नालियों, रोशनी, सुरक्षा व्यवस्था और आगामी त्योहारों की तैयारियों को लेकर जनप्रतिनिधियों ने खुलकर अपनी बात रखी। पहली ही बैठक में पार्षदों ने वार्डों की जमीनी समस्याओं को सामने रखते हुए पालिका प्रशासन से उनके शीघ्र समाधान की मांग की। विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि नए पालिका बोर्ड के सामने जहाजपुर के विकास को नई गति देने की बड़ी जिम्मेदारी है। शहर की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के साथ स्वच्छता व्यवस्था, सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था और आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्राथमिकता में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल कागजों और घोषणाओं तक सीमित नहीं रहें, बल्कि उनका असर धरातल पर दिखाई देना चाहिए। पालिका अध्यक्ष अलकेश वैष्णव ने कहा कि बोर्ड का उद्देश्य शहर के सभी 25 वार्डों में बिना भेदभाव विकास कार्य करवाना और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सभी पार्षदों के सहयोग से शहर की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष ने नगर पालिका के लिए टैक्सी वाहन खरीदने का प्रस्ताव भी रखा।

**बैठक में पार्षदों ने उठाए ये प्रमुख मुद्दे**

नमो उद्यान के ओपन जिम का सामान वापस लगाने की मांग

पार्षद प्रमोद देवी शर्मा ने नमो उद्यान में पूर्व में लगाए गए ओपन जिम के सामान को वापस स्थापित करवाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पार्क में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ शहरवासियों को मिलना चाहिए।

**घायल गोवंश के लिए एम्बुलेंस और शहर में सीसीटीवी की मांग**

पार्षद प्रवीण खटीक ने घायल गोवंश को उपचार के लिए पहुंचाने के लिए नगर पालिका स्तर पर एम्बुलेंस खरीदने तथा शहर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग रखी।

**आवारा गोवंश और सस्ती बजरी का मुद्दा गरमाया**

पार्षद राधेश्याम बारेठ ने शहर में आवारा गोवंश से आमजन को हो रही परेशानी का मुद्दा उठाते हुए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार को लिखित रूप से अवगत करवाकर नगरवासियों को सस्ती दर पर बजरी उपलब्ध करवाने का मुद्दा भी रखा। उन्होंने कहा कि बजरी की उपलब्धता नहीं होने से आमजन को निर्माण कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

**कच्ची नालियों से मकानों को नुकसान का मामला**

पार्षद तबस्सुम बी ने वार्ड में कच्ची नालियों की समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि नालियों का पानी मकानों की नींव तक पहुंचने से भवनों को नुकसान का खतरा बना हुआ है। उन्होंने कच्ची नालियों को हटाकर पक्की नालियों का निर्माण करवाने की मांग की।

**नो चौक और बस स्टैंड बावड़ी क्षेत्र में सफाई की मांग**

पार्षद योगेश चंद्र पत्रिया ने नो चौक एवं बस स्टैंड स्थित बावड़ी के बालाजी मंदिर के आसपास कचरा जमा नहीं होने देने की मांग रखी। उन्होंने पालिका कर्मचारियों के साथ आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार बनाने और कचरा फैलाने वालों को पाबंद करने की बात कही।

**25 वार्डों में समान विकास पर जोर**

पार्षद अरविंद भुवालिया ने कहा कि नगर पालिका के सभी 25 वार्डों में साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास में किसी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि नया बोर्ड आमजन की सुविधाओं पर खरा उतरेगा और विकास के साथ शहर के सौंदर्यीकरण पर भी काम किया जाएगा।

**सोलर लाइट और गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई की मांग**

पार्षद सानिया खानम ने कस्बे में सोलर ऊर्जा आधारित लाइटें लगाने की मांग रखी। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ पालिका स्तर पर कार्रवाई और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता जताई।

**त्योहारों से पहले व्यवस्थाएं दुरुस्त करने पर जोर**

बैठक में आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर में साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी, यातायात व्यवस्था और अन्य आवश्यक इंतजाम समय रहते पूरे करने पर भी चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान शहर में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है, ऐसे में सफाई और प्रकाश व्यवस्था में किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए। पहली साधारण सभा में सामने आए मुद्दों से साफ है कि नए पालिका बोर्ड के सामने सबसे बड़ी चुनौती शहर की बुनियादी व्यवस्थाओं को मजबूत करने की है। अब देखना होगा कि बैठक में उठे मुद्दे प्रस्तावों और चर्चाओं से आगे बढ़कर धरातल पर कब दिखाई देते हैं।

## निर्वाचन आयोग के घेराव में सुलक्षणा शर्मा ने जताया विरोध

### महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस बल प्रयोग का आरोप, ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से चुनाव कराने की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल

**अनिल कुमार खींची जयपुर।** कांग्रेस की ओर से सोमवार को जयपुर में निर्वाचन आयोग के घेराव को लेकर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के विरोध में नारेबाजी करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किए जाने और पानी की बौछार करने का आरोप लगाया गया।

राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव एवं अधिवक्ता सुलक्षणा शर्मा ने प्रदर्शन में शामिल होकर महिला कार्यकर्ताओं के साथ खड़े रहते हुए पुलिस बल प्रयोग को रोकने का प्रयास किया। सुलक्षणा शर्मा ने कहा कि चुनाव में कथित धांधलियों पर रोक लगनी चाहिए तथा चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की भी मांग उठाई। प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कांग्रेस के कई नेता मौजूद रहे। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह और ब्यावर जिला अध्यक्ष इशिका जैन भी प्रदर्शन में शामिल रहीं।

## शहीद भगत सिंह की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

**चंदेरिया।** राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, हाउसिंग बोर्ड चंदेरिया में भगत सिंह ब्रिगेड के तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन, संघर्ष एवं देशभक्ति के आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं को केले एवं पेन वितरित किए गए तथा अतिथियों द्वारा प्रेरणादायी उद्बोधन दिए गए। कार्यक्रम में चंचल कुमार खटीक, गोविंद सिंह लाखनोत, मोहित सुवालका, नवीन सोनी, पहलाद शर्मा एवं अमित रावण सहित विद्यालय के प्राचार्य हस्तीमल जी वीरवाल एवं समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए विद्यालय प्रशासन एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

## 70 वीं जिला स्तरीय सेपक टकरा प्रतियोगिता में पापड़ी की बेटियों का जलवा, राज्य स्तर पर चयन

स्मार्ट हलचल

**लाखेरी** - 70वीं जिला स्तरीय सेपक टकरा प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पापड़ी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और गांव का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में पापड़ी की छात्राओं ने बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शील्ड एवं मेडल हासिल किए, वहीं खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ। राज्य स्तर पर चयन की खबर गांव पहुंचते ही खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय स्टाफ ने ढोल-नगाड़ों की धुन पर उत्साह के साथ नाचते हुए चयनित खिलाड़ियों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पापड़ी की प्रधानाचार्य नीतू शर्मा ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनकी उपलब्धि पर खुशी जताई और राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय स्टाफ की ओर से रेणू मीणा, बाबूलाल राठौर, ज्योति जैन कृष्ण कुमार को साफा बंधवाकर स्वागत सम्मान विद्यालय परिवार की तरफ से उपप्रधानाचार्य राकेश कुमार ने सभी का आभार जताया व्यक्त किया कार्यक्रम में समस्त स्टाफ मौजूद रहे एवं खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है।

## ओझागर में 10 फीट लंबे अजगर का सफल रेस्क्यू, मक्की के खेत में छिपा था भारतीय रॉक पाइथन, वन विभाग की तत्परता से ग्रामीणों में फैला डर खत्म

स्मार्ट हलचल

**गुरला** ओझागर में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब राजू जी सुवालका के खेत में एक विशाल अजगर दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि खेत में मक्की की फसल लगी हुई थी और महिलाएं मक्का काट रही थी, तभी अचानक मक्की के बीच छिपे हुए 10 फीट लंबे अजगर पर उनकी नजर पड़ी। महिलाओं की चीख सुनकर खेत में मौजूद लोग सहम गए। घटना की सूचना तुरंत ग्रामीण किशन जी सुथार ने वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वनपाल चंद्रपाल सिंह राणावत ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा। वनपाल के निर्देशानुसार वनरक्षक दिनेश कुमार रेगर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचकर देखा तो अजगर मक्की के खेत के अंदर घनी फसल में छिपा हुआ था। वनरक्षक दिनेश कुमार रेगर ने बड़ी ही सूझबूझ और सावधानी से अजगर का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। इस दौरान कैलाश जी खोईवाल, किशन जी सुथार, गणेश जी बागरिया सहित कई ग्रामीणों ने रेस्क्यू में अहम सहयोग किया।

**वन्यजीव संरक्षण का दिया संदेश**

रेस्क्यू के बाद वनरक्षक दिनेश कुमार रेगर ने मौके पर जमा हुए ग्रामीणों को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि खेत या गांव में कभी भी अजगर, या कोई भी जंगली जानवर दिखाई दे तो उसे मारे नहीं, बल्कि तुरंत वन विभाग को सूचना दें। उन्होंने बताया कि वन्यजीव हमारे पर्यावरण का अभिन्न अंग हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

**भारतीय रॉक पाइथन है, 20 फीट तक होती है लंबाई**

वनरक्षक दिनेश कुमार रेगर ने बताया कि यह अजगर 'भारतीय रॉक पाइथन' प्रजाति का है, जो विशाल और विषहीन होता है लेकिन काफी शक्तिशाली होता है। इस प्रजाति की लंबाई 20 फीट तक हो सकती है। यह भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 के तहत पूरी तरह से संरक्षित है। इसका शिकार करना या इसे नुकसान पहुंचाना गंभीर अपराध है। बाद में अजगर को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। वन विभाग की इस तत्परता से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और वन विभाग का आभार जताया। ओझागर में खेत से 10 फीट लंबे अजगर का रेस्क्यू करते वनरक्षक दिनेश कुमार रेगर।

## साक्ष्य और स्वतंत्र गवाहों के अभाव में मारपीट व गंभीर चोट के मामले में आरोपी बरी...

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र से जुड़े करीब 9 साल पुराने फौजदारी मामले में न्यायालय ने अभियोजन पक्ष द्वारा आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर पाने पर दो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-01, भीलवाड़ा ने रामेश्वर लाल दरोगा एवं उनकी पत्नी श्रीमती धापू देवी को भारतीय दंड संहिता की धारा 341, 323 एवं 325/34 के आरोपों से बरी किया।

मामले में अभियुक्तों की ओर से अधिवक्ता मुकेश सुवालका ने पैरवी की।

संपत्ति विवाद से जुड़ा था मामला

प्रकरण के अनुसार प्रार्थी रतनदास ने हमीरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि उसके पिता द्वारा खरीदे गए पुराने नोहरे (बाड़े) को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप था कि जब वह नोहरे का सौदा बालू जाट को कर कब्जा सौंपने गया, तब रामेश्वर लाल दरोगा और धापू देवी वहां पहुंचे तथा जमीन नहीं बेचने की बात कहते हुए उसके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। प्रार्थी पक्ष की ओर से इस दौरान हाथ में फ्रैक्चर होने का भी आरोप लगाया गया था।

अभियोजन ने पेश किए 6 गवाह

विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 6 गवाहों के बयान कराए गए तथा विभिन्न दस्तावेज और मेडिकल रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की गईं।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता मुकेश सुवालका ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष घटना को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। न्यायालय के समक्ष यह तथ्य भी आया कि घटनास्थल के आसपास घनी आबादी होने के बावजूद पुलिस द्वारा तैयार नक्शा मौका में किसी स्वतंत्र गवाह अथवा पड़ोसी के हस्ताक्षर नहीं कराए गए।

कथित लकड़ी भी बरामद नहीं हुई

न्यायालय के समक्ष यह भी सामने आया कि मारपीट में इस्तेमाल की गई कथित लकड़ी बरामद नहीं की गई थी। वहीं चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिवनारायण यादव की गवाही में एक्स-रे रिपोर्ट में हड्डी के फ्रैक्चर के बीच स्पष्ट गैप नहीं दिखाई देने तथा चोटें कठोर धरातल पर गिरने से भी आने की संभावना का उल्लेख सामने आया। प्रार्थी के शरीर पर कुल दो चोटें पाई गई थीं।

मामले की पत्रावली में दोनों पक्षों के बीच पूर्व में भी मामले दर्ज होने तथा विवाद के पुरानी रंजिश से जुड़े होने की बात सामने आई।

संदेह का लाभ देकर किया दोषमुक्त

न्यायालय ने दोनों पक्षों के तर्कों और उपलब्ध साक्ष्यों का विश्लेषण करने के बाद माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे प्रमाणित करने में सफल नहीं रहा।

इसके चलते न्यायालय ने रामेश्वर लाल दरोगा एवं श्रीमती धापू देवी, निवासी जवासिया, थाना हमीरगढ़, जिला भीलवाड़ा को संदेह का लाभ देते हुए धारा 341, 323 एवं 325/34 भा.दं.सं. के आरोपों से दोषमुक्त कर दिया।

## आयुर्वेद चिकित्सालय में व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मरीजों से जानी उपचार की स्थिति

स्मार्ट हलचल

**अनिल कुमार खींची ब्यावर।** निदेशालय आयुर्वेद विभाग राजस्थान की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) ज्योति ककवानी ने रविवार को श्री चांदमल मोदी राजकीय जिला आयुष चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने औषधियों की उपलब्धता, चिकित्सा सुविधाओं एवं चिकित्सालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ककवानी ने औषधि वितरण कक्ष में दवाओं की आपूर्ति एवं उपलब्धता की जानकारी ली तथा धनवंतरी औषध उद्यान का अवलोकन किया। इंडोर वार्ड में भर्ती मरीजों से संवाद कर उपचार एवं चिकित्सालय में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पंचकर्म कक्ष एवं ऑपरेशन थिएटर का निरीक्षण कर बायोवेस्ट मैनेजमेंट और अग्निशमन व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही रत्न॥स एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (MAA) के तहत उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों की जानकारी भी ली। अतिरिक्त निदेशक ने चिकित्सालय की व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए अर्श-भगन्दर एवं पंचकर्म चिकित्सा सेवाओं के साथ रत्न॥स एवं रूयोजना का अधिकाधिक लोगों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

चिकित्सालय प्रभारी डॉ. पारस चौहान ने बताया कि भर्ती मरीजों के लिए पर्याप्त औषधियां उपलब्ध हैं और दोनों समय निशुल्क भोजन की व्यवस्था की जा रही है। रूयोजना के प्रभावी संचालन के लिए नवीन फर्नीचर, पलंग, अग्निशमन उपकरण, पंचकर्म यंत्र एवं शस्त्र उपलब्ध करवाए गए हैं। चिकित्सालय में क्षारसूत्र निर्माण के लिए क्षारसूत्र कैबिनेट भी उपलब्ध करवाई गई है।

## 'खुशी डांगी' ने 70वीं जिला स्तरीय एसजीएफआई स्कूल टूर्नामेंट में हासिल किया 'गोल्ड मेडल'

स्मार्ट हलचल

**उदयपुर** बडगांव ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय थूर में कक्षा 8 में अध्ययनरत 'खुशी डांगी' ने 70वीं जिला स्तरीय एसजीएफआई स्कूल योगासन टुर्नामेन्ट में गोल्ड मेडल हासिल किया हैं एवं आगामी दिनांक 30.9.2026 को चुरू में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय टुर्नामेंट में भाग लेगी । इस अवसर विद्यालय की प्रधानाचार्य रूचि पारिक व योगा कोच शुभम पुर्बिया ने बताया कि थूर गांव की निवासी खुशी डांगी पूर्व में भी योग की गतिविधि में एक वर्ल्ड रिकार्ड बना चुकी है एवं योग में आयोजित होने वाली कई प्रतियोगिता में भाग ले चुकी हैं। खुशी डांगी पिताजी योगेश डांगी खेती का कार्य करते है।

## माता जी का खेड़ा (भटेड़ा) में पंचायती राज चुनाव बहिष्कार की गूंज : 12 सूत्रीय मांगों को लेकर अड़े माता जी का खेड़ा के ग्रामीण

स्मार्ट हलचल

**भटेड़ा भीलवाड़ा।** जिले की बनेड़ा पंचायत समिति क्षेत्र की घरटा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले माता जी का खेड़ा (भटेड़ा) गांव में बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों का धैर्य आखिरकार जवाब दे गया है। ग्रामीण चांदमल कुमावत ने बताया कि आज के समय में हर गांवों में सड़क नाली बिजली पानी जैसी मूलभूत बुनियादी सुविधाएं पहुंच चुकी है, लेकिन हमारा गांव माताजी खेड़ा आज भी बुनियादी सुविधाओं से अछूता है। सालों से विकास की राह देख रहे ग्रामीणों ने एकजुट होकर आगामी पंचायत चुनाव के पूर्ण बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। ग्रामीणों ने एकत्र होकर 'समस्या हमारी, समाधान तुम्हारा - अब और नहीं इंतज़ार!' और 'पहले समस्याओं का समाधान, फिर कोई चुनाव अभियान!' नारेबाजी करते हुए बैनर थामकर प्रशासन और राजनेताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि हर बार चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन मतदान खत्म होते ही गांव को अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है। इस बार ग्रामीणों ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी 12 सूत्रीय मांग पत्र पर जमीनी काम शुरू नहीं होता, तब तक क्षेत्र में किसी भी प्रत्याशी को कदम नहीं रखने दिया जाएगा और न ही कोई ग्रामीण वोट डालने जाएगा।

यह हैं ग्रामीणों की 12 प्रमुख मांगें, जिन पर अड़ा है पूरा गांव:ग्रामीणों ने गांव के समग्र विकास के लिए 12 सूत्रीय मांगें प्रशासन के समक्ष रखी हैं:

राजस्व व भूमि विस्तार: 'माताजी का खेड़ा' को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए और गांव के आबादी क्षेत्र का दायरा बढ़ाकर उसे दोगुना किया जाए।

शिक्षा क्षेत्र में सुधार: स्थानीय विद्यालय में लंबे समय से रिक्त चल रहे शिक्षकों के पदों को भरा जाए और छात्रों के लिए नए कमरों का निर्माण कराया जाए।

सड़क व संपर्क मार्ग की बदहाली: माताजी का खेड़ा से कुंडिया खुर्द जाने वाले रास्ते को तुरंत चालू किया जाए और माताजी का खेड़ा से कासोरिया सड़क का पक्का निर्माण करवाया जाए।

पेयजल संकट का समाधान: क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या से स्थायी निजात पाने के लिए ऐतिहासिक 'माता जी की कुड़ी' का पुनः जीर्णोद्धार (मरम्मत) किया जाए। और पानी की मोटर लगाकर पीने का पानी घरों तक पहुंचाया जाए।

गांव का ढांचागत विकास: गली मोहल्लों में पक्की सड़कों व नालियों का निर्माण हो, मुख्य मार्ग के दोनों तरफ बड़े नालों का निर्माण किया जाए और रात के अंधेरे से मुक्ति के लिए पूरे क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की उचित व्यवस्था की जाए।

सार्वजनिक व सामाजिक सुविधाएं: ग्रामीणों के सामूहिक कार्यक्रमों के लिए एक सामुदायिक भवन का निर्माण हो। इसके साथ ही श्मशान घाट के रास्ते को दुरुस्त करने, दाह संस्कार स्थल पर टीन शेड लगाने व लोगों के बैठने के लिए सराय का निर्माण करने की मांग की गई है।

**साफ सफाई व कचरा प्रबंधन:** गांव में नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित हो और कचरा निस्तारण के लिए एक स्थायी सिस्टम बनाया जाए।

आश्वासनों से टूटना, अब आर-पार की लड़ाई स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क, पानी, स्कूल और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी यहां के लोगों को दशकों से संघर्ष करना पड़ रहा है। इस बार गांव की इस महापंचायत में युवा, बुजुर्ग और महिलाओं ने एक स्वर में यह फैसला लिया है कि वे किसी भी खोखले आश्वासन के झांसे में नहीं आएंगे। जब तक धरातल पर काम शुरू नहीं होता, तब तक चुनाव का बहिष्कार जारी रहेगा। ग्रामीणों के इस कड़े फैसले के बाद प्रशासनिक गलियारों और स्थानीय राजनीतिक हलकों में खलबली मच गई है। चांदमल कुमावत दिलखुश कुम्हार अंकुश रामधन देवराज कैलाश रामराज वैष्णव धनराज कीर ईश्वर गुर्जर जसवंत दरोगा राजू प्रजापत भागचंद वैष्णव सत्तू गुर्जर जमुनालाल वैष्णव सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

## 70वीं जिला स्तरीय सेपक टकरा प्रतियोगिता में पापड़ी की बेटियों का जलवा, राज्य स्तर पर चयन

स्मार्ट हलचल

**लाखेरी** - 70वीं जिला स्तरीय सेपक टकरा प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पापड़ी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और गांव का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में पापड़ी की छात्राओं ने बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शील्ड एवं मेडल हासिल किए, वहीं खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ।

राज्य स्तर पर चयन की खबर गांव पहुंचते ही खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय स्टाफ ने ढोल-नगाड़ों की धुन पर उत्साह के साथ नाचते हुए चयनित खिलाड़ियों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पापड़ी की प्रधानाचार्य नीतू शर्मा ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनकी उपलब्धि पर खुशी जताई और राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय स्टाफ की ओर से रेणू मीणा, बाबूलाल राठौर, ज्योति जैन कृष्ण कुमार को साफा बंधवाकर स्वागत सम्मान विद्यालय परिवार की तरफ से उपप्रधानाचार्य राकेश कुमार ने सभी का आभार जताया व्यक्त किया कार्यक्रम में समस्त स्टाफ मौजूद रहे एवं खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है।

# कृष्णा साहू ने जिला स्तरीय जूडो में जीता स्वर्ण पदक

### राज्य स्तर पर भीलवाड़ा का करेगी प्रतिनिधित्व

स्मार्ट हलचल

**गुरला गुरला/भीलवाड़ा।** राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गाडरमाला में आयोजित जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महेन्द्रगढ़ की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में महेन्द्रगढ़ विद्यालय की छात्रा कृष्णा साहू (पुत्री सीताराम तेली) ने पिथास की छात्रा को शिकस्त देकर स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) पर कब्जा जमाया। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही कृष्णा का चयन राज्य स्तर के लिए हुआ है। अब वह भीनमाल (जालौर) में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में भीलवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। विद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी बिखेरा जलवा स्वर्ण पदक के अलावा विद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया:

**रेखा वैष्णव ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीता।**

पूजा सिरवी, चंचल साहू, राधा तेली और तनिषा खोईवाल ने कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) हासिल किए।

**स्टाफ और ग्रामीणों ने दी बधाई**

छात्राओं की इस ऐतिहासिक सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रामावतार शर्मा ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विजेता छात्राओं, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षिका मंजु बुलीवाल और टीम प्रभारी मंजू नैनावटी सहित पूरे विद्यालय स्टाफ को बधाई दी। प्रधानाचार्य ने सभी छात्राओं की हौसलाअफजाई करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

### खेल मैदान में बापूनगर की बेटियों का परचम

# बॉक्सिंग में अंडर-17 जनरल चैम्पियन, अंडर-19 में रनरअप; 20 छात्राओं का राज्य स्तर पर चयन

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बापूनगर की छात्राओं ने 70वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर विद्यालय की 20 छात्राओं का राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है। बॉक्सिंग में विद्यालय ने विशेष उपलब्धि हासिल करते हुए अंडर-17 वर्ग में जनरल चैम्पियनशिप अपने नाम की, जबकि अंडर-19 वर्ग में रनरअप का खिताब हासिल किया। छात्राओं के इस प्रदर्शन से विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है। राज्य स्तर के लिए चयनित 20 छात्राओं में नेटबॉल की 9, बॉक्सिंग की 6, अंडर-17 क्रिकेट की 3, जिम्नास्टिक की 1 तथा कुश्ती की 1 छात्रा शामिल हैं। चयनित खिलाड़ी अब राज्य के विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भीलवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। विद्यालय की संस्था प्रधान सुनीता नानकानी एवं समस्त स्टाफ ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिसर में प्रतिभावान छात्राओं का माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। खिलाड़ियों को तैयार करने में योगदान देने वाले कोच लक्ष्मण सिंह राठौड़, पुष्पा अग्रवाल एवं सुधा जाट का भी विद्यालय परिवार की ओर से सम्मान किया गया। विद्यालय की बेटियों की यह सफलता इस बात का संदेश है कि उचित अवसर, मार्गदर्शन और मेहनत मिले तो बेटियां खेल के मैदान में भी जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकती हैं।

# विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत उमा जी का खेड़ा में शिविर का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल

**बिजौलियाँ** विकसित भारत जन सेवा अभियान के अन्तर्गत 2026 का आयोजन आज दिनांक 28 सितंबर को गिरदावर सर्किल उमाजी का खेडा में आयोजन हुआ। शिविर में विभाग के अधिकारी/कर्मचारी व जन प्रतिनिधि उपस्थित हुए। शिविर में पंचायतीराज विभाग के स्वामित्व कार्यो के साथ पट्टे, 06 व द्व॥रुके 02, आवेदन तैयार किये, राजस्व विभाग द्वारा नाम शुद्धिकरण के 20, रास्ता खुलासा के 04, नामान्तकरण के 04, जाति-मूल के 62, फॉर्मर रजिस्ट्री के 16, व 21 विभागों द्वारा अनेक समस्याओं के प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

**शिविर के दौरान सी.एल. शर्मा (उपखण्ड अधिकारी) उपस्थित रहे।**

शिविर प्रभारी, ललित डिडवानिया (तहसीलदार), चन्द्ररेखा धाकड़, (प्रशासक) प्रकाश पालीवाल (सहायक विकास अधिकारी), अशोक खाती, (ग्राम विकास अधिकारी), बलराम मीणा, (राजस्व निरीक्षक), कविता धाकड (पटवारी), नरेश धाकड (कनिष्ट सहायक) शिविर में उपस्थित थे।

# विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत पीएम सूर्य घर योजना के लाभार्थियों को इंडक्शन कुक टॉप का वितरण

स्मार्ट हलचल

**बिजौलियाँ** पंचायत समिति कार्यालय परिसर में आज 'विकसित भारत जन सेवा अभियान' के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर में अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (AVVNL) द्वारा 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के पंजीकृत एवं चयनित लाभार्थियों को इंडक्शन कुक टॉप वितरित किए गए। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी (एसडीएम) छोटू लाल शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सौर ऊर्जा अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता (AEN) ललित मेवाड़ा एवं ग्राम विकास अधिकारी (VDO) आशीष शर्मा उपस्थित रहे। सहायक अभियंता मेवाड़ा ने पीएम सूर्य घर योजना के लाभों, सब्सिडी प्रक्रिया तथा रूफटॉप सोलर लगाने के फायदों के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी। साथ ही लाभार्थियों को इंडक्शन कुकटॉप प्रदान कर आधुनिक एवं धुआं-मुक्त खाना पकाने की तकनीक को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

# 2400 से 1200 हुआ मानदेय, कलेक्ट्रेट पर गूंजी कुक-कम-हेल्परों की आवाज

## मानदेय कटौती के विरोध में महिलाओं का प्रदर्शन, कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूर्ववत भुगतान की मांग...

स्मार्ट हलचल

**पुनित चपलोत भीलवाड़ा।** मिड-डे मील कुक-कम-हेल्परों के मानदेय में 50 प्रतिशत कटौती के विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने सरकार के फैसले के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और मानदेय पूर्ववत किए जाने अथवा उचित एवं सम्मानजनक मानदेय निर्धारित करने की मांग की। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि सरकारी विद्यालयों और मदरसों में कुक-कम-हेल्पर प्रतिदिन बच्चों के लिए मिड-डे मील तैयार करने के साथ भोजन परोसने, बच्चों को खाना खिलाने, बर्तन धोने और रसोई की साफ-सफाई का काम करती हैं। विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नहीं होने के कारण सफाई सहित कई अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी उन्हीं के जिम्मे हैं। बाल गोपाल दूध योजना के तहत दूध गर्म करने, बच्चों को पिलाने और बर्तनों की सफाई का काम भी कुक-कम-हेल्परों द्वारा किया जाता है। महिलाओं ने बताया कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा, भीलवाड़ा के 2 सितंबर 2026 के आदेश के तहत केंद्रीयकृत रसोईघर (अक्षयपात्र) से पोषाहार मिलने वाले विद्यालयों में कार्यरत कुक-कम-हेल्परों को 50 प्रतिशत मानदेय भुगतान के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले ?2400 मानदेय मिलता था, जिसे घटाकर ?1200 कर दिया गया है। महिलाओं का कहना है कि महंगाई के दौर में इतनी कम राशि में परिवार का खर्च चलाना बेहद मुश्किल है। सुभाष नगर स्कूल में कार्यरत सरोज ने कहा कि वह पिछले 13 वर्षों से मिड-डे मील में काम कर रही हैं और एकल महिला होने के कारण परिवार की जिम्मेदारी भी उनके ऊपर है। उन्होंने कहा, 'पहले ?2400 मिलते थे, अब ?1200 कर दिए। इतने पैसों में बच्चों को कैसे पालूं, घर का किराया, बिजली-पानी का बिल कैसे भरूं? ' प्रदर्शनकारी महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से दूध पिलाने का भुगतान और अप्रैल माह से पोषाहार मानदेय भी लंबित है। उन्होंने लंबित भुगतान जारी करने के साथ मानदेय कटौती का निर्णय वापस लेने की मांग की।

# कीरखेड़ा फायरिंग कांड में तीन मुख्य आरोपी गिरफ्तार, तीनों आरोपी लंगड़ाते हुए पहुंचे कोर्ट, अब तक 8 आरोपी गिरफ्तार, चार की तलाश जारी...

स्मार्ट हलचल

**पुनित चपलोत** सुभाष नगर थाना क्षेत्र के कीरखेड़ा गांव के बालाजी खेड़ा में पुरानी पारिवारिक रंजिश को लेकर दो परिवारों के बीच हुई क्रॉस फायरिंग के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सत्तू माली, विनय प्रताप सिंह और राधेश्याम जाट को कोर्ट में पेश किया, जहां से तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कोर्ट में पेशी के दौरान तीनों आरोपी लंगड़ाते हुए चलते नजर आए। सुभाष नगर थाना प्रभारी कैलाश बिश्नोई ने बताया कि 11 सितंबर को सांगानेर के बालाजी खेड़ा में दो पक्षों के बीच पुरानी पारिवारिक रंजिश को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान दोनों पक्षों की ओर से फायरिंग की घटना सामने आई। मामले में गोपाल कीर और सोनू कीर की रिपोर्ट पर लखन कीर, सत्तू माली, यीशु हरिजन, राधेश्याम जाट, शुभम तेली, युगल सिंह राजपूत, देवराज तेली, सुनील कबाड़ी, अंकित सेन, विनय प्रताप सिंह सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने शुभम तेली, युगल राज सिंह चौहान, लखन कीर, गोपाल कीर और सोहनलाल कीर को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से टोपीदार बंदूक, तलवार और कुल्हाड़ी बरामद की गई थी। इसके बाद तीन मुख्य आरोपियों सत्तू माली, विनय प्रताप सिंह और राधेश्याम जाट को गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई, जिसमें वारदात में इस्तेमाल तलवार और एक वाहन बरामद किया गया। सोमवार को तीनों को दोबारा कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मामले में अब तक कुल आठ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि चार आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों परिवारों के बीच पुरानी पारिवारिक रंजिश चल रही थी, जिसके चलते यह विवाद और फायरिंग की घटना हुई। पुलिस के मुताबिक सत्तू माली के खिलाफ धरियावद, प्रतापगढ़ के साथ सुभाष नगर, कोतवाली और सदर थानों में विभिन्न धाराओं में सात मामले दर्ज हैं। वहीं विनय प्रताप सिंह के खिलाफ भीमगंज, बनेड़ा, सदर और कोतवाली थानों में सात प्रकरण दर्ज बताए गए हैं।

# चित्तौड़ प्रांत 11 जिलों के 275 छात्र छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, विजेताओं को मिला सम्मान

स्मार्ट हलचल

**मांडलगढ़** 28 सितम्बर/विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत के तीन दिवसीय संस्कृति महोत्सव का समापन समारोह सोमवार को प्रातः 9 बजे स्थानीय आदर्श विद्या मंदिर सभागार में सम्पन्न हुआ। 26 से 28 सितम्बर तक चले इस आयोजन में प्रान्त के 11 जिलों से आए 298 छात्र छात्राओं और 60 आचार्य दीदीयों ने हिस्सा लिया। पूरे महोत्सव के दौरान विद्यालय प्रांगण में उत्साह, अनुशासन और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिला। तीन दिवसीय महोत्सव में विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इनमें प्रश्नमंच, कथा कथन, तात्कालिक भाषण, मूर्तिकला, लोकनृत्य, आचार्य पत्र वाचन, कविता पाठ, सुगम संगीत और अंत्याक्षरी शामिल थी। शिशु, बाल, किशोर और तरूण वर्गो में अलग-अलग प्रतियोगिताऐं हुई, जिनमें विद्यार्थियों ने प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का प्रतिवेदन विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत के संस्कार केंद्र प्रमुख पूनम सिंह राठौड़ ने प्रस्तुत किया। महोत्सव के दूसरे दिन रविवार की रात आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम सभी के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। इसमें विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। लोकनृत्य नाट्य, गीत-संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को उल्लासपूर्ण बना दिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान क्षेत्र के संस्कृति बोध परियोजना संयोजक कैलाशचंद्र शर्मा थे। अध्यक्षता स्थानीय विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष मूलचन्द डाँगी ने की एवं विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शाहपुरा जिला प्रचारक केशव नारायण थे। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे महोत्सव भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहूंचाने में सेतू का कार्य करते है। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। परिणाम इस प्रकार रहे। संस्कृति ज्ञान प्रश्नमंच के सभी वर्गो में बारां जिला प्रथम रहा। आशुभाषण के किशोर वर्ग में बांसवाड़ा, तरूण वर्ग में बारां प्रथम, मूर्तिकला के बाल में झालावाड़, किशोर में अजमेर प्रथम, लोकनृत्य में झालावाड़ व बारां जिला प्रथम, कविता पाठ के बाल वर्ग में बारां, किशोर वर्ग में बून्दी प्रथम, सुगम संगीत बाल वर्ग में कोटा, किशोर वर्ग में झालावाड़ प्रथम, अंत्याक्षरी के बाल वर्ग में झालावाड़, किशोर वर्ग में अजमेर प्रथम रहा। विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भीलवाड़ा विद्या भारती शिक्षा संस्थान के सचिव देवराजसिंह राणावत एवं जिला संस्कृति महोत्सव प्रमुख महेन्द्रसिंह चुण्डावत, स्थानीय विद्यालय के प्रधनाचार्य गणपतसिंह वर्मा उपस्थित थे।

# 17 सिंबल विवाद पर कांग्रेस कार्यालय के बाहर चरखा लेकर सत्याग्रह...

## पालीवाल ने डोटासरा के इस्तीफे की उठाई मांग, बोले- मांग नहीं मानी तो भूख हड़ताल और दिल्ली कूच

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** नगर निगम चुनाव में 17 कांग्रेस प्रत्याशियों को सिंबल नहीं मिलने और महापौर पद के लिए पार्टी प्रत्याशी का सिंबल जमा नहीं होने का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मनोज पालीवाल ने सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यालय के बाहर चरखा लेकर सत्याग्रह किया। उन्होंने चरखा चलाते हुए 'रघुपति राघव राजा राम' की धुन के साथ विरोध जताया और प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के इस्तीफे की मांग की। पालीवाल ने आरोप लगाया कि भीलवाड़ा नगर निगम चुनाव के सिंबल प्रकरण में प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने डोटासरा की सद्बुद्धि के लिए यज्ञ भी किया, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। पालीवाल ने आरोप लगाया कि पूरे मामले में जिम्मेदार माने जा रहे नेताओं पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें पंचायत समिति चुनाव में प्रभारी बनाया गया। उन्होंने कहा कि सत्य और अहिंसा के प्रतीक महात्मा गांधी को आदर्श मानते हुए चरखा लेकर सत्याग्रह शुरू किया है। पालीवाल ने दावा किया कि उन्हें निष्कासन की धमकी दी गई है, लेकिन वे पीछे नहीं हटेंगे। पालीवाल ने कहा कि उन्होंने प्रदेश प्रभारी मुकेश वर्मा सहित जयपुर और दिल्ली के नेताओं से संपर्क करने तथा ई-मेल के जरिए शिकायत करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो भूख हड़ताल शुरू करेंगे। इसके बाद दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान के सामने मामला उठाएंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो राहुल गांधी से भी व्यक्तिगत मुलाकात कर भीलवाड़ा के पूरे प्रकरण से अवगत कराया जाएगा।

# सरपंच आरक्षण निर्धारण को लेकर हाईकोर्ट में याचिका, पांच ग्राम पंचायतों के आवेदकों ने उठाए सवाल

स्मार्ट हलचल

**आसींद (भीलवाड़ा)।** आसींद विधानसभा से विधायक प्रत्याशी मनसुख सिंह गुर्जर का आगामी पंचायती राज चुनाव 2026 को लेकर ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के आरक्षण निर्धारण पर सवाल उठाते हुए संभागीय आयुक्त तथा जिला कलेक्टर भीलवाड़ा को लिखित में शिकायत के बाद शंभूगढ़ पंचायत समिति के सरपंच राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर में सिविल रिट याचिका दायर की गई है। याचिका में शंभूगढ़, जोधड़ास, गंगलास, बरसनी और आकरसाड़ा ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के आरक्षण निर्धारण को चुनौती दी गई है। याचिका अनिल साहू निवासी शंभूगढ़, नानूराम गुर्जर निवासी जोधड़ास, रामनिवास कुमावत निवासी उदलपुरा-गंगलास, पंकज त्रिपाठी निवासी बरसनी तथा इंद्रमल गुर्जर निवासी आकरसाड़ा की ओर से प्रस्तुत की गई है। याचिका में राज्य सरकार सहित संबंधित अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आगामी पंचायती राज चुनावों के लिए सरपंच पदों का आरक्षण निर्धारित करते समय पुराने एवं मौजूदा ग्राम पंचायतों के लिए लागू प्रक्रिया के अनुरूप गणना नहीं की गई। उनका आरोप है कि आरक्षण निर्धारण में निर्धारित पद्धति, आरक्षण, रोटेशन एवं रोस्टर के सिद्धांतों का सही तरीके से पालन नहीं हुआ, जिसके कारण संबंधित ग्राम पंचायतों में घोषित आरक्षण श्रेणी अलग हो गई। याचिका में राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994, राजस्थान पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994 तथा राज्य सरकार की 10 अगस्त 2026 और 16 अगस्त 2026 की ओर से जारी व्यवस्थाओं का हवाला दिया गया है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार इन निर्देशों के तहत पुरानी एवं नवगठित ग्राम पंचायतों के लिए आरक्षण निर्धारण की अलग-अलग प्रक्रिया निर्धारित है। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट से संबंधित ग्राम पंचायतों के लिए घोषित सरपंच आरक्षण को निरस्त कर निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार नए सिरे से गणना कर आरक्षण श्रेणी घोषित करने की मांग की है। याचिका के साथ गणना पत्रक, आरक्षण स्थिति पत्रक तथा घोषित आरक्षण सूची सहित विभिन्न दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं।

# शहीद भगत सिंह की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल

**चंदेरिया।** राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, हाउसिंग बोर्ड चंदेरिया में भगत सिंह ब्रिगेड के तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन, संघर्ष एवं देशभक्ति के आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं को केले एवं पेन वितरित किए गए तथा अतिथियों द्वारा प्रेरणादायी उद्बोधन दिए गए। कार्यक्रम में चंचल कुमार खटीक, गोविंद सिंह लाखनोत, मोहित सुवालका, नवीन सोनी, पहलाद शर्मा एवं अमित रावण सहित विद्यालय के प्राचार्य हस्तीमल जी वीरवाल एवं समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए विद्यालय प्रशासन एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

# 5 महीने में दूसरी बार जुझारजी महाराज की मूर्ति खंडित, तेली समाज में आक्रोश,कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

**पुनित चपलोत भीलवाड़ा।** प्रताप नगर स्कूल परिसर स्थित प्राचीन जुझारजी महाराज मंदिर में पांच महीने के भीतर दूसरी बार मूर्ति खंडित किए जाने की घटना को लेकर तेली समाज में आक्रोश है। घटना के विरोध में सोमवार को तेली समाज और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। साहू महासभा के पदाधिकारी कुशल साहू ने बताया कि प्रताप नगर स्कूल परिसर में स्थित प्राचीन जुझारजी महाराज मंदिर तेली समाज सहित स्थानीय लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां लोग नियमित रूप से पूजा-अर्चना करते हैं। इसके बावजूद मंदिर में बार-बार तोड़फोड़ और मूर्ति खंडित किए जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में पहली घटना 17 मई 2026 को हुई थी। इसके बाद 26 सितंबर को दोबारा मंदिर में तोड़फोड़ कर जुझारजी महाराज की मूर्ति को खंडित कर दिया गया। पांच महीने में दूसरी बार हुई इस घटना से समाज और स्थानीय लोगों में आक्रोश है। कुशल साहू ने आरोप लगाया कि दोनों घटनाओं को लेकर प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसी के विरोध में समाज के लोग आज कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मूर्ति खंडित करने वाले आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

# चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के पिता पूर्व सरपंच रामसिंह चौहान का निधन

## अंतिम यात्रा 29 सितंबर को सुबह 11 बजे आक्या स्थित निवास से होगी रवाना

स्मार्ट हलचल

**चित्तौड़गढ़** । चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के पूज्य पिताजी एवं हरिओम सिंह के दाता होकम ठा. सा. श्री रामसिंह जी चौहान, पूर्व सरपंच ठिकाना आक्या का सोमवार, 28 सितंबर 2026 को निधन हो गया। रामसिंह चौहान के निधन की सूचना से आक्या परिवार एवं क्षेत्र में शोक की लहर है। वे ठिकाना आक्या से जुड़े रहे और पूर्व में सरपंच के दायित्व का निर्वहन किया। परिवार की ओर से जारी शोक संदेशके अनुसार दिवंगत रामसिंह चौहान की अंतिम यात्रा मंगलवार, 29 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे उनके निवास स्थान आक्या से मोक्षधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

दिवंगत रामसिंह चौहान के निधन पर शोकाकुल परिवारजनों ठा. सा. नारायण सिंह जी, अनिल सिंह जी, शम्भु सिंह जी, लक्ष्मण सिंह जी, अभिभन्यु सिंह जी एवं समस्त चौहान परिवार, ठिकाना आक्या (मेवाड़), चित्तौड़गढ़।

# नवनियुक्त पालिका अध्यक्ष रमेश सेन,पालिका उपाध्यक्ष इसाक खान व पार्षदो का जोरदार स्वागत सम्मान पुरानी नगर पालिका महलों के चौक में किया गया

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)** शाहपुरा-अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस एवं सफाई कर्मचारी एवं सफाई संपूर्ण कर्मचारी एवं नगर पालिका संपूर्ण स्टाफ ने जोरदार स्वागत सम्मान व अभिनंदन किया।अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के द्वारा एवं समस्त कर्मचारियों के नगर पालिका के द्वारा नव नियुक्त पालिका अध्यक्ष रमेश सेन,इसाक खान पालिका उपाध्यक्ष एवं नरेंद्र रेगर कांग्रेस विधायक प्रत्याशी व सुरेश चंद्र घूसर पार्षद, रेखा देवी घूसर पार्षद, युवराज पार्षद, चेतन पार्षद, सुनील मिश्रा पार्षद पति, नरेंद्र रेगर के निजी सचिव व नाथूलाल कोली पार्षद इन सबको शाहपुरा नगर पालिका कर्मचारी एवं नगर पालिका स्टाफ की तरफ से यूनियन की तरफ से जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। पुष्प हार पहना कर व साल साफा ओढ़ाकर इन सभी का जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। जिस पर विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर ने शाहपुरा के लिए एवं नगर पालिका कर्मचारियों के लिए तन मन धन से कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने का वादा किया और नव नियुक्त अध्यक्ष रमेश सेन ने कर्मचारियों को कहा कि शाहपुरा हित में जितना भी कार्य है उनके लिए तन मन धन से तैयार है पूरे शाहपुरा और कर्मचारियों के लिए उनकी ओजस्वी वाणी से जोरदार भाषण से सभी कर्मचारियों और स्थानीय लोगों का मनमोहक प्रति अनु कुलित शब्दों से पूरा पंडाल हर्षित हुआ। सभी ने जोरदार तालिया के साथ नवनियुक्त अध्यक्ष महोदय व सभी का स्वागत सम्मान किया व नवनियुक्त उपाध्यक्ष इसाक खान ने भी अपने जोरदार उद्बोधन में शाहपुरा हित के लिए और कर्मचारियों के लिए तत्पर खड़े रहने के लिए अपनी ओजस्वी भाषण में सभी का मन जीत लिया। शाहपुरा का साथ और शाहपुरा का विकास ही प्रमोधर्म है ऐसा इसाक खान ने बताया और रेखा देवी ने अपने ओजस्वी भाषण में सभी कर्मचारी एवं संगठन का साथ जोरदार से कदम से कदम मिलकर और शाहपुरा हित के कार्य सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने अपने उद्बोधन में जोरदार अभिव्यक्ति दी। सुरेश चंद्र घूसर ने भी अपने उद्बोधन में शाहपुरा के 35 वार्ड को अपना सर्वज्ञ योगदान देना बताया है। उन्होंने अध्यक्ष रमेश सेन व विधायक प्रत्याशी नरेंद्र रेगर से वादा किया है कि जब भी उनकी जरूरत पड़ेगी वह तैयार रहेंगे। शाहपुरा हित कार्य में 35 वार्डों के लिए और शाहपुरा की जनता के लिए हमेशा तत्पर खड़े रहने का वादा किया।इसके बाद अध्यक्ष रमेश सैन ने सभी का अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद गपित किया। शाहपुरा की संपूर्ण जनता में कर्मचारियों का हितार्थ कार्य करने के लिए वह तत्पर खड़े रहने का उद्बोधन में दिया। जिस पर पुष्पेंद्र कुमार घूसर जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ने सभी का जोरदार अभिनंदन करते हुए सभी को भरोसा दिलाया है कि हमारे शाहपुरा के जितने भी सफाई कर्मचारी हैं स्वच्छता सैनिक है वह शाहपुरा हितार्थ के लिए शाहपुरा पालिका बोर्ड के लिए तत्पर खड़े रहेंगे अपनी मेहनत और ईमानदारी के साथ शाहपुरा हित का कार्य कोरोना काल में भी अपना संपूर्ण योगदान सभी कर्मचारियों ने दिया और आगे भी शाहपुरा हित के लिए देते रहेंगे और साथी सभी का पूर्ण हार्दिक अभिनंदन करते हुए पुष्प हार पहनाते हुए समस्त कर्मचारी और नगर पालिका के यूनियन के पदाधिकारी नगर पालिका के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे। राजेश, कालू जमादार, गंगासागर जमादार, सतेंद्र जमादार, विकास जमादार, उत्तम, सोनू, संदीप, प्रेमचंद जाजोट, अमित कुमार, सीताराम, घीसू लाल, आजाद, त्रिलोक, शंकर, पिंटू, अभिषेक, वसीम अकरम, छोटू लाल, लखन, महेश, गणेश, नितिन, रामलाल, विजय, विजेंद्र, विनोद, दिनेश लोट, हरिओम लोट,आनंद खेरालिया, संदीप जाजोट, मनोज आदि कर्मचारी एवं यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहे महिला सफाई कर्मचारी सभी महिला कर्मचारियों ने भी स्वागत सम्मान जोरों सोरों से किया। बाद में पुष्पेंद्र कुमार घूसर ने सभी पधारे हुए अतिथियों एवं समस्त कर्मचारी एवं अतिथियों का स्वागत सम्मान करते हुए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित कर सभी का अभिनंदन किया।

## भारतीय जनता पार्टी रायपुर मंडल की संगठनात्मक बैठक संपन्न

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)** । रायपुर-भारतीय जनता पार्टी रायपुर मंडल की संगठनात्मक बैठक भाजपा मंडल कार्यालय, रायपुर में मंडल अध्यक्ष डॉ. मीरा किराड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि सहाड़ा विधायक लादूलाल पितलिया एवं विशिष्ट अतिथि सहाड़ा विधानसभा प्रवासी प्रभारी सज्जन सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में पंचायत समिति एवं जिला परिषद चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ताओं से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन प्राप्त किए गए। विधायक लादूलाल पितलिया ने अपने उद्बोधन में सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया।मंडल अध्यक्ष डॉ. मीरा किराड़ ने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने तथा अधिक से अधिक पंचायत समिति एवं जिला परिषद सदस्य विजयी बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

**बैठक में प्रमुख रूप से–**

प्रत्येक वार्ड में जमीनी स्तर पर मजबूत एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की सूची तैयार करना।

प्रत्येक वार्ड की आरक्षण स्थिति के अनुसार योग्य एवं मजबूत संभावित प्रत्याशियों की सूची तैयार करना। संगठन को बूथ एवं वार्ड स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श। सभी कार्यकर्ताओं का समर्पण, परिश्रम और एकजुटता ही संगठन की वास्तविक शक्ति है।

## भीलवाड़ा में तैराकी के सितारों का जलवा, 27 जिलों के 400 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

स्मार्ट हलचल

**पुनित चपलोत भीलवाड़ा।** शहर में राज्य स्तरीय अंडर-14 तैराकी प्रतियोगिता का शानदार आगाज हुआ। जिला शिक्षा विभाग, खेल विभाग और सन मून पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को आरके कॉलोनी स्थित स्वामी विवेकानंद तरणताल में हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि नगर निगम महापौर जसवंत कंवर, उच्च शिक्षा के कानूनी सलाहकार एवं सदस्य लोक अदालत शांतिलाल जैन, जिला शिक्षा अधिकारी रामेश्वर प्रसाद जीनगर और जिला खेल अधिकारी हेमेंद्र सिंह राणावत ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। इस अवसर पर सन मून पब्लिक स्कूल के निदेशक एवं प्रधानाचार्य डॉ. आई.डी. बेलिम ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों और खेल अधिकारियों का अभिनंदन करते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। समारोह में विद्यालय के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में प्रदेश के 27 जिलों से करीब 400 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। विभिन्न जिलों से पहुंचे छात्र तैराक अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और पदक के लिए पानी में जोर आजमाइश करेंगे। प्रतियोगिता के विभागीय प्रतिनिधि रतन लाल खटीक ने बताया कि खिलाड़ियों के लिए आयोजक सन मून पब्लिक स्कूल की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। शिक्षा और खेल विभाग के अधिकारी भी प्रतियोगिता स्थल पर मौजूद हैं। अधिकारियों के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

## चांदजी की खेडी में हुआ भागवत कथा का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

**बिजौलियाँ** क्षेत्र के इंद्रपुरा स्थित श्री तिलस्वांनाथ गौशाला, चांदजी की खेड़ी में सोमवार से श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के शुभारंभ से पूर्व सुबह श्रद्धालुओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

**जीवन में लक्ष्य बनाना जरूरी-प्रेमनारायण**

कथा के दौरान गुरुदेव प्रेमनारायण ने श्रद्धालुओं को जीवन जीने की कला का संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में एक निश्चित लक्ष्य बनाना चाहिए। मनुष्य जब माया-मोह को ही अपना मान लेता है तो वह उसी के बंधन में फंस जाता है। माया के बंधन से मुक्त होने के लिए मनुष्य को संसार की प्रत्येक वस्तु को अपने इष्ट भगवान की देन मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'मैं' और 'मेरा' का भाव ही मनुष्य को माया के बंधन में बांधता है। जब मनुष्य सब कुछ भगवान का मानकर जीवन जीता है, तब उसके जीवन से माया का बंधन धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।

**बच्चों को छोटी उम्र से ही भक्ति से जोड़ने का संदेश**

गुरुदेव ने कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से ही धार्मिक एवं आध्यात्मिक संस्कार देने चाहिए। माता-पिता को बच्चों को मंदिर ले जाना चाहिए और धार्मिक कथाओं में भी शामिल कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चे किसी भी बात को जल्दी सीखते हैं, ऐसे में यदि उन्हें बचपन से ही भक्ति और अच्छे संस्कारों से जोड़ा जाए तो वे इन्हें आसानी से अपने जीवन में अपना सकते हैं।

**क्षेत्रवासियों के सहयोग से आयोजन**

श्री तिलस्वांनाथ गौशाला सेवा समिति के अध्यक्ष सुगन धाकड़ ने बताया कि भागवत कथा का आयोजन समस्त क्षेत्रवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन गुरुदेव प्रेमनारायण गेहूँखेड़ी वाले के मुखारबिंद से किया जा रहा है। कथा का आयोजन 4 अक्टूबर रविवार तक चलेगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित होगी। आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

### श्रीराम के जन्म के साथ गूंजा जय श्रीराम का जयघोष

## शाहपुरा में 10 दिवसीय श्री रामलीला का शुभारंभ, महलों के चौक में हुआ भव्य मंचन

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)** । स्थानीय महलों के चौक में रविवार रात 10 दिवसीय श्री रामलीला का भव्य शुभारंभ हुआ। वाराणसी के धर्म प्रचारक रामायण मंडल द्वारा शाहपुरा नगर पालिका के सहयोग से आयोजित रामलीला के पहले दिन भगवान श्रीराम के जन्म का सजीव मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम के जन्म का दृश्य आते ही पूरा पंडाल 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। रामलीला के संचालक पंडित राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रथम दिवस राजा दशरथ द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ तथा भगवान श्रीराम के जन्म प्रसंग का प्रभावी मंचन किया गया। कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। राम जन्म के प्रसंग के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मानस मंडल के पंडित रघुनाथ प्रसाद वैष्णव, शाहपुरा रिलीफ सोसायटी के अध्यक्ष शक्ति सिंह परिहार तथा उप कारागृह के जेलर किशन लाल मीणा, विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय पदाधिकारी रामेश्वर लाल धाकड़ सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। वरिष्ठ शिक्षाविद् चंद्र प्रकाश जोशी, अशोक चास्टा, शिक्षक संघ के जिला मंत्री अमर सिंह चौहान और सीताराम जाट सहित अन्य लोगों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। अतिथियों द्वारा प्रभु श्री राम की मंगल आरती की गई। आयोजकों के अनुसार रामलीला का मंचन प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक किया जाएगा। 10 दिवसीय श्री रामलीला का समापन 6 अक्टूबर को होगा। आयोजन को लेकर नगरवासियों में उत्साह बना हुआ है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

### महापौर ने किया छठे एकल विवाह समारोह के पोस्टर का विमोचन

## कहा–सामूहिक विवाह पुण्य का कार्य, यह अच्छी समाज सेवा है

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** कोली समाज विकास ट्रस्ट, भीलवाड़ा की ओर से आयोजित होने वाले छठे एकल विवाह समारोह के फ्लैक्स का विमोचन नगर निगम महापौर जसवंत कंवर जी ने किया। इस अवसर पर महापौर एवं उनके पति श्री भूपेंद्र जी राणावत सा. का मारवाड़ी पगड़ी, शॉल एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत-सत्कार किया गया। सोमवार होने के कारण उन्हें बढ़लेश्वर महादेव के शिवलिंग की तस्वीर भी भेंट की गई। ट्रस्ट के सचिव मुरलीधर लोरवाडिया ने बताया कि छठा एकल विवाह समारोह 24 जनवरी 2027, रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक जोगनिया माता, कुवाड़ा रोड, भीलवाड़ा में आयोजित किया जाएगा। समारोह के लिए पंजीकरण शुल्क 15,151 रुपये वर/वधु निर्धारित किया गया है। प्रत्येक जोड़े को 100 मेहमान लाने की स्वीकृति रहेगी। समारोह के लिए पंजीकरण चालू है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग करना तथा विवाह समारोहों में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम कर सादगीपूर्ण एवं सामाजिक रूप से उपयोगी विवाह की परंपरा को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर महापौर जसवंत कंवर ने एकल विवाह आयोजन को समाज के लिए अच्छी पहल बताते हुए कहा कि सामूहिक विवाह पुण्य का कार्य है। गरीब कन्याओं के विवाह में सहयोग हो और विवाह समारोहों में होने वाला फिजूल खर्च कम हो, इससे बेहतर सामाजिक सेवा के प्रयास कम ही हो सकते हैं। कार्यक्रम में अध्यक्ष ओम प्रकाश सुनारिया, राकेश, मोतीसिंह, मोतीलाल, महेंद्र कुमार, सोहनलाल, लक्ष्मीनारायण, अशोक, मोहनलाल, सोनू, सुनील, शंकरलाल, सोहनलाल सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं झलकारी बाई महिला मंडल की ओर से अंजना, अंतिमा, जानकी, मधु, राजेश्वरी, दुर्गा, संगीता, सुनीता, डोली, मुक्तेश्वरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। ट्रस्ट ने समाजबंधुओं से अधिक से अधिक जोड़ों का पंजीकरण करवाकर इस सामाजिक पहल को सफल बनाने की अपील की है।

## रिंकू मीणा हत्याकांड में मुख्य आरोपी समुन्द्र उर्फ सागर जयपुर से गिरफ्तार, पुरानी रंजिश और वायरल वीडियो को लेकर रची गई थी हत्या की साजिश

स्मार्ट हलचल/नीरज मीणा

**महुवा।** थाना महुवा क्षेत्र के चर्चित रिंकू मीणा जघन्य हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी समुन्द्र उर्फ सागर को जयपुर के मुरलीपुरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पुरानी रंजिश और एक वायरल वीडियो को लेकर आरोपियों ने रिंकू मीणा की हत्या की साजिश रची थी। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि पीड़ित बलराम मीणा निवासी विरासना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई रिंकू मीणा अपनी कार से हुडला से घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में आरोपी धर्मेन्द्र, जितेन्द्र, रविन्द्र, समुन्द्र, राजकुमार, केदार, राजेश और लोकेश सहित अन्य लोगों ने एक राय होकर रिंकू की गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया। आरोपियों ने रिंकू पर लाठी-डंडों, पाइप तथा धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसके बाद वाहन से टक्कर मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। गंभीर हालत में रिंकू को उपचार के लिए जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान 6 सितंबर को उसकी मृत्यु हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी अनूप सिंह के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने आरोपियों की तलाश के लिए कई जिलों में लगातार दबिश दी और संभावित ठिकानों पर तलाश की। पुलिस टीम के अथक प्रयासों के बाद मुख्य आरोपी समुन्द्र उर्फ सागर पुत्र प्रभातीलाल मीणा, निवासी विरासना, थाना मंडावर को जयपुर के मुरलीपुरा क्षेत्र से धर दबोचा गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा उससे हत्याकांड के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल धर्मेन्द्र, जितेन्द्र, रविन्द्र, समुन्द्र उर्फ सागर, राजकुमार, केदार, राजेश और लोकेश सहित अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। वहीं, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें उनके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं।

## भाजपा सावा मंडल की बैठक से सैकड़ों कार्यकर्ता नाराज होकर रवाना, पार्टी के प्रति भारी रोष

**ओम जैन शंभूपुरा।** भाजपा सावा मंडल की आगामी चुनावों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक में उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब सैकड़ों कार्यकर्ता बैठक छोड़कर नाराज होकर रवाना हो गए। यह नजारा सांसद सीपी जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या और जिलाध्यक्ष रतन गाडरी की मौजूदगी में ही देखने को मिला, जिससे संगठन में भारी रोष का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शंभूपुरा स्थित शनिदेव मन्दिर पर सावा मंडल की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक मंडल की थी, लेकिन खाने की व्यवस्था को लेकर विवाद खड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह ने अजय चौधरी की तरफ से खाने की घोषणा की, जिसके बाद हंगामे की स्थिति बन गई।

**नाम सुनते ही कुर्सियां खाली**

जैसे ही अजय चौधरी के नाम से खाने की घोषणा हुई, बैठक में मौजूद सैकड़ों कार्यकर्ता अपनी कुर्सियां छोड़कर उठ खड़े हुए और नाराज होते हुए बैठक स्थल से रवाना हो गए। कार्यकर्ताओं का कहना था कि 'बैठक मंडल की है तो खाना व्यक्ति विशेष का कैसे नाराज कार्यकर्ताओं ने खुलकर अपनी भड़ास निकाली। कार्यकर्ताओं ने कहा कि क्या पार्टी पदाधिकारी ओर जनप्रतिनिधि चुनावी समय में व्यक्ति विशेष का प्रचार करने आए हैं? यह पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ है। मंडल की बैठक में व्यक्तिगत प्रचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

**भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी रोष**

इस घटना के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी रोष व्याप्त है। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से जमीनी कार्यकर्ता का मनोबल टूटता है। इसका खामियाजा आने वाले चुनाव में पार्टी को उठाना पड़ सकता है।

बैठक में सांसद, विधायक और जिलाध्यक्ष मौजूद थे, लेकिन उनके सामने ही कार्यकर्ताओं के जाने से संगठन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल इस मामले को लेकर सावा मंडल के कार्यकर्ताओं में तरह-तरह की चर्चाएं जोरों पर हैं, जिससे कही ना कही आने वाले चुनावों में पार्टी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

### शिविर में सांसद के समक्ष आठ पंचायतों को फिर मांडलगढ़ उपखंड में जोड़ने की मांग ,दिया ज्ञापन

## काछोला शिविर में सांसद दामोदर अग्रवाल के सामने ग्रामीणों ने उठाई पुरजोर आवाज, ज्ञापन सौंपकर रखी जनहित की मांग

स्मार्ट हलचल

**काछोला** ग्राम पंचायत काछोला सहित आठ पंचायतों एवं पंचायत समिति मांडलगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में विकसित भारत जन सेवा अभियान 2026, 'सेवा सेतु अभियान शिविर' शिविर स्थल बाग के बालाजी परिसर में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल,काछोला प्रशासक रामपाल बलाई,जहाजपुर एसडीएम छत्रपाल सिंह चौधरी,मांडलगढ़ विकास अधिकारी युगल किशोर शर्मा,शिविर प्रभारी राजेंद्र कुमार तिवाड़ी,काछोला ग्राम विकास अधिकारी रतिराम मीणा सहित आदि के सानिध्य में शिविर आयोजित किया गया। काछोला,राजगढ़, सरथला, जस्सू जी का खेड़ा, थलकला,झांझोला, मांगटला, जलींदरी सहित आसपास की आठ पंचायतों को पुनः मांडलगढ़ उपखंड में शामिल करने की मांग को लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने सोमवार को काछोला में आयोजित शिविर में भीलवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसद दामोदर अग्रवाल के समक्ष अपनी बात रखी। ग्रामीणों ने इस संबंध में सांसद को ज्ञापन सौंपते हुए प्रशासनिक सुविधा एवं आमजन के हित में आठ पंचायतों को पुनः मांडलगढ़ उपखंड से जोड़ने की मांग की। ग्रामीणों का कहना रहा कि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और आमजन की सुविधा को देखते हुए प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा आवश्यक है। ग्रामीणों ने कहा कि आठ पंचायतों का मुद्दा लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण रहा है, इसलिए इसे प्राथमिकता के साथ संबंधित स्तर पर उठाया जाना चाहिए।

**शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण**

सांसद के काछोला स्थित बाग के बालाजी शिविर में पहुंचने की सूचना के बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर आठ पंचायतों की मांग को प्रमुखता से उठाया। पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सांसद के समक्ष अपनी समस्याएं रखते हुए कहा कि इस विषय पर प्रभावी पहल की आवश्यकता है।

**सांसद बोले–मुद्दा बिल्कुल वाजिब, आज से ही फिर प्रयास करूंगा**

ग्रामीणों की मांग सुनने के बाद सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि आठ पंचायतों को लेकर ग्रामीणों की मांग बिल्कुल वाजिब है। इसके लिए मैं आज से ही फिर से प्रयास करूंगा। सांसद के इस वक्तव्य के बाद ग्रामीणों में उम्मीद जगी कि आठ पंचायतों को पुनः मांडलगढ़ उपखंड में शामिल करने की मांग को लेकर आगे सकारात्मक पहल हो सकती है।

**तिरंगा पट्टी से किया सांसद का स्वागत**

शिविर में ग्रामीणों की ओर से सांसद दामोदर अग्रवाल का तिरंगा पट्टी से स्वागत किया गया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए ग्रामीण एवं पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर ठाकुर संपत सिंह सोलंकी, सूरत राम गगरानी, अशोक कुमार काबरा, शांतिलाल काबरा, बृजेंद्र सिंह सोलंकी, मुरली मनोहर मुंदड़ा, कैलाश धाकड़, डॉ. एनके सोनी, दिनेश दाखेड़ा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

**खास बात**

आठ पंचायतों की मांग बनी शिविर का प्रमुख मुद्दा

ग्रामीणों ने सांसद के समक्ष एक स्वर में प्रशासनिक सुविधा के लिए आठ पंचायतों को पुनः मांडलगढ़ उपखंड में शामिल करने की मांग रखी। सांसद द्वारा मांग को वाजिब बताते हुए प्रयास करने की बात कही गई।

## राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में कठूमर के छात्र लोकेश कुमार का हुआ चयन

### विद्यालय परिवार ने साफा बांधकर व मिठाई खिलाकर खिलाड़ी का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

**कठूमर।** राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कठूमर के छात्र लोकेश कुमार का 70वीं राज्य स्तरीय खो-खो खेलकूद प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2026 तक बड़ागांव, झुंझुनूं में किया जाएगा। लोकेश कुमार प्रतियोगिता में कठूमर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होने पर विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों में खुशी का माहौल रहा। विद्यालय पहुंचने पर छात्र लोकेश कुमार का विद्यालय परिवार एवं साथी विद्यार्थियों की ओर से साफा बांधकर और मिठाई खिलाकर जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने खिलाड़ी को आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य विराज चौहान ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने लोकेश कुमार को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य उमेश चंद सहित शिक्षकों ने भी लोकेश के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। शारीरिक शिक्षक शिब्बो राम सोनी ने बताया कि नियमित अभ्यास और मेहनत के बल पर लोकेश ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान बनाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रतियोगिता में खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करेगा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विराज चौहान, उप प्रधानाचार्य उमेश चंद, शारीरिक शिक्षक शिब्बो राम सोनी, व्याख्याता धीरसिंह तंवर, रीना फौजदार, अनिल कुमार, देवेश भारद्वाज, रवि गुप्ता सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

# आचार्य श्री निपुणरत्न सूरीश्वर जी म.सा. के दर्शन-वंदन को पहुंचे पूर्व मंत्री एवं विधायक प्रमोद जैन 'भाया'

## निंबाहेड़ा में परम पूज्य आचार्य श्री से लिया आशीर्वाद, वर्धमान चातुर्मास समिति ने किया आत्मीय स्वागत-अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

**निंबाहेड़ा /** राजस्थान सरक ार के पूर्व मंत्रीएवं अंता (बारां) के विधायक तथा परम गुरुभक्त प्रमोद जैन 'भाया' सोमवार को निंबाहेड़ा पधारे। इस अवसर पर उन्होंने नगर में विराजित परम पूज्य आचार्य श्री निपुणरत्न सूरीश्वर जी म.सा. के दर्शन-वंदन कर धर्मलाभ लिया तथा आचार्य श्री से सुखसाता पूछकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूर्व मंत्री

एवं विधायक प्रमोद जैन 'भाया' ने आचार्य श्री के चरणों में श्रद्धापूर्वक वंदन करते हुए उनके पावन सानिध्य का लाभ लिया। इस दौरान धर्म, अध्यात्म एवं साधु-संतों के सानिध्य के महत्व को लेकर चर्चा हुई। आचार्य श्री के सानिध्य में बिताए समय के दौरान वातावरण श्रद्धा एवं आध्यात्मिक भावनाओं से ओतप्रोत रहा।

**वर्धमान चातुर्मास समिति ने किया आत्मीय अभिनंदन**

इस अवसर पर वर्धमान चातुर्मास समिति की ओर से पूर्व मंत्री एवं विधायक प्रमोद जैन 'भाया' का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समिति के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने धार्मिक परंपरानुसार उनका सम्मान करते हुए आचार्य श्री के दर्शन-वंदन के लिए निंबाहेड़ा पधारने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान ज्ञानचंद पालेचा, अशोक बोडाना, चांदमल वीरानी, मुकेश नागौरी, दिलीप नागौरी, मुकेश पारख, अजीत जैन, नितिन नागौरी, राजेश बोडाना, अमित जैन सहित वर्धमान चातुर्मास समिति के पदाधिकारी एवं जैन समाज के श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

**आचार्य श्री के चातुर्मास से धर्ममय बना वातावरण**

आचार्य श्री निपुणरत्न सूरीश्वर जी म.सा. के निंबाहेड़ा चातुर्मास प्रवास के चलते जैन समाज में धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों को लेकर विशेष उत्साह बना हुआ है। आचार्य श्री के दर्शन-वंदन, प्रवचन एवं पावन सानिध्य का लाभ लेने के लिए प्रतिदिन श्रद्धालुजन पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक प्रमोद जैन 'भाया' का आचार्य श्री के दर्शनार्थ निंबाहेड़ा आगमन समाजजनों के लिए श्रद्धा एवं प्रसन्नता का विशेष अवसर रहा।

# विरासत के सवालों में 95 विद्यार्थियों का इम्तिहान, प्रियंका-साक्षी ने मारी बाजी

विजेता टीम अब जयपुर राज्य स्तरीय क्विज में करेगी भीलवाड़ा का प्रतिनिधित्व

9 स्कूलों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, ईडन इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं की जोड़ी रही अव्वल

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** शहर के राजेन्द्र मार्ग विद्यालय में आयोजित इंटेक हेरिटेज क्विज में विद्यार्थियों ने देश, प्रदेश और जिले की ऐतिहासिक धरोहरों, कला एवं संस्कृति से जुड़े सवालों पर अपनी जानकारी परखी। दो राउंड में हुए मुकाबले के बाद ईडन इंटरनेशनल स्कूल की प्रियंका शर्मा और साक्षी कोली की जोड़ी ने सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। अब यह विजेता जोड़ी जयपुर में होने वाली राज्य स्तरीय हेरिटेज क्विज में भीलवाड़ा का प्रतिनिधित्व करेगी। इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) की ओर से राजेन्द्र मार्ग विद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में देश की कला, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को जानने-समझने के लिए आयोजित इंटेक हेरिटेज क्विज में 9 विद्यालयों के 95 विद्यार्थियों ने अपने विरासत ज्ञान का परिचय दिया। प्रतियोगिता में देश, प्रदेश और जिले के प्रमुख विरासत स्थलों से जुड़े सवालों ने विद्यार्थियों की जानकारी को परखा। इंटेक चेयरमैन अशोक ठाकुर एवं विरासत शिक्षा एवं संचार सेवा की निदेशक पूर्णिमा दत्त के निर्देशानुसार आयोजित प्रतियोगिता में इंटेक कन्वीनर बाबूलाल जाजू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐतिहासिक धरोहरें केवल पुरानी इमारतें नहीं, बल्कि हमारी कला, संस्कृति और पहचान की विरासत हैं। इन्हें संरक्षित करने के लिए युवा पीढ़ी को इनके इतिहास से परिचित होना जरूरी है। विद्यालय प्रतियोगिता प्रभारी गुमानसिंह पीपाड़ा एवं सुरेश सुराणा ने बताया कि प्रतियोगिता दो चरणों में हुई। पहले लिखित राउंड में सभी 95 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले 8 विद्यार्थियों का चयन दूसरे यानी ओरल राउंड के लिए हुआ। इसके बाद दो-दो विद्यार्थियों की टीम बनाकर मुकाबला कराया गया। ईडन इंटरनेशनल स्कूल की प्रियंका शर्मा और साक्षी कोली की जोड़ी ने प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम को जयपुर में होने वाली राज्य स्तरीय हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता में भीलवाड़ा का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेन्द्र मार्ग, ईडन इंटरनेशनल स्कूल, डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय बालिका विद्यालय आदूण, श्री महेश शिक्षा सदन विद्यालय, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गुलमंडी और मयूर इंटरनेशनल स्कूल सहित 9 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यार्थियों को इंटेक मुख्यालय दिल्ली से प्राप्त प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। को-कन्वीनर श्यामसुंदर जोशी ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की विरासत, इतिहास और संस्कृति से जोड़ना है। प्रतियोगिता में प्रीति जैन, कुसुम तिवाड़ी, प्राची नाहर, भाग्यश्री जैन, मीना त्रिवेदी, प्राचार्य राजेन्द्र गहलोत, चंद्रशेखर व्यास एवं विक्रम चौधरी का सहयोग रहा।

# माधासर विद्यालय के खिलाड़ियों ने जिला स्तर पर लहराया परचम, 12 का राज्य स्तर पर चयन...

**बायतु ।** राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय माधासर के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। 17 वर्षीय सॉफ्टबॉल छात्र टीम ने द्वितीय तथा 14 वर्षीय छात्र टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित कर खिलाड़ियों, सॉफ्टबॉल कोच निंबाराम जी, दल प्रभारी कमलेश जी एवं फुटबॉल दल प्रभारी निसार खान जी का ढोल-नगाड़ों और माल्यार्पण के साथ सम्मान किया गया। विभिन्न खेलों में विद्यालय के 12 खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। राइफल शूटिंग में संपत चौधरी, भगवानाराम व भंवरी, फुटबॉल में तेजकुमार, 14 वर्षीय सॉफ्टबॉल में चूनाराम, मोहम्मद असलम, लक्ष्मी व जेठी तथा 17/19 वर्षीय सॉफ्टबॉल में कमलेश बेनीवाल, शेराराम, इंसाफ खान व फरसाराम का चयन हुआ। प्रधानाचार्य पारसमल लीलड़ ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए राइफल शूटिंग कोच शैतानसिंह देवड़ा, सॉफ्टबॉल कोच निंबाराम और फुटबॉल कोच निसार खान के प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि बायतु प्रधान सिमरथाराम बेनीवाल ने भी खिलाड़ियों और विद्यालय प्रशासन के प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर दलप्रभारी कमलेश सारण,टीकमाराम, हरपालसिंह, चौखाराम, अरुणकुमार, पन्नाराम, बाबूलाल, नवलाराम, विनोदकुमार, गिरधारीराम, नरेशकुमार, गोविंद चौधरी, मोहनलाल, मेहराराम एवं लक्ष्मण शर्मा सहित शिक्षकगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रामलाल लेगा ने किया

चवलेश्वर प्यारा लागे, पारस प्यारा लागे

# चंवलेश्वर पार्श्वनाथ में क्षमावणी पर्व पर उमड़ा आस्था का सैलाब

## वार्षिक कलशाभिषेक,पार्श्वनाथ विधान व मुनि सुधासागर के 44वें दीक्षा दिवस समारोह में शामिल हुए श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल

**काछोला** 28 सितम्बर क्षेत्र लघु सम्मेद शिखर के नाम से विख्यात चंवलेश्वर पार्श्वनाथ देशनोदय दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र चेनपुरा में सोमवार को क्षमावणी पर्व एवं धार्मिक आयोजनों के साथ आस्था का मेला संपन्न हुआ। वार्षिक कलशाभिषेक,सामूहिक क्षमावणी पर्व,पार्श्वनाथ विधान तथा मुनि पुंगव सुधासागर के 44वें दीक्षा दिवस के अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजन में भीलवाड़ा जिले सहित राजस्थान और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु पहुंचे। आयोजक चंवलेश्वर पार्श्वनाथ देशनोदय दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश कासलीवाल एवं शनिवार मंडल अध्यक्ष महेन्द्र जी,कार्याध्यक्ष प्रवीण कुमार जैन ने बताया कि आयोजन आचार्य विद्यासागर के परम शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागर के आशीर्वाद से हुआ। सुबह शांतिधारा के साथ धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। इसके बाद पार्श्वनाथ विधान का आयोजन किया गया,जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ हिस्सा लिया। दोपहर में कार्यक्रम मंगलाचरण से शुरू हुआ मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज के 44वें

दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विशेष धार्मिक कार्यक्रम हुए। शाम को वार्षिक कलशाभिषेक का मुख्य आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक कर पूजा-अर्चना की और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।चवलेश्वर प्यारा लागे, पारस प्यारा लगे,जैसेभजनो पर भक्त खूब झूमे। आयोजन को लेकर तीर्थ क्षेत्र वामा देवी महिला मंडल एवं नवयुवक मंडल की ओर से व्यवस्थाएं संभाली गईं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भीलवाड़ा शहर के प्रमुख स्थानों से तीर्थ क्षेत्र तक निशुल्क बसों की व्यवस्था की गई थी। पूरे आयोजन के दौरान तीर्थ क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण बना रहा। सामूहिक क्षमावणी पर्व के दौरान श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे से क्षमा याचना कर 'उत्तमक्षमा,सबसे क्षमा, सबको क्षमा 'कहा और परस्पर मैत्री व सद्भाव का संदेश दिया। कलशाभिषेक में सौधर्म इन्द्र व ईशान इन्द्र बनने का सौभाग्य माणक चंद, राजेन्द्र,ऋषभ, प्रदीप,मयंक ,हार्दिक बाकलीवाल परिवार जामोली वाले कंचन विहार भीलवाड़ा वालो को मिला एवम श्री जी की माला का सौभाग्य भागचंद,प्रमोद कुमार बंसल रोपा को मिला व विधान व भोजन पुण्यार्जक लाभचंद, निर्मला देवी,देवेंद्र,श्रया अजमेरा महुआ रहे।तीर्थकमेटी अमोलक गोधा, महेंद्र जैन,अमित गोधा, रूपचंद गोधा,राजेन्द्र जैन,घीसू लाल, पवन जैन, देवेंद्र अजमेरा अन्य सदस्यों द्वारा स्वागत अभिन्नदन किया गया।

# थलकलां विद्यालय के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लहराया परचम,किया स्वागत

*थलकला विद्यालय के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में जीते कई पदक, राज्य स्तर पर हुआ चयन...*

स्मार्ट हलचल

**काछोला** - क्षेत्र के थलकलां राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ने 70वीं जिला स्तरीय 17 एवं 19 वर्षीय छात्र वर्ग की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय थलकला के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रशिक्षक मदन लाल मीणा ने बताया कि खिलाड़ियों ने कबड्डी, कराटे और वेटलिफ्टिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कई पदक हासिल किए तथा राज्य स्तर के लिए चयनित हुए।

**कराटे में चार पदक**

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़ू, करेड़ा, भीलवाड़ा में आयोजित 70वीं जिला स्तरीय 17/19 वर्षीय छात्र वर्ग कराटे प्रतियोगिता में थलकला विद्यालय के खिलाड़ियों ने चार पदक जीते। 19 वर्षीय वर्ग में कक्षा 10 के देवराज सेन ने रजत पदक प्राप्त किया। 17 वर्षीय वर्ग में कक्षा 9 के सुनील कुमार एवं सांवत कीर ने कांस्य पदक हासिल किए, जबकि कक्षा 10 के भागीरथ कीर ने रजत पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

**वेटलिफ्टिंग में अक्षिता ने जीता स्वर्ण**

जिला स्तरीय 17 वर्षीय छात्रा वर्ग की 48 किलोग्राम भार वर्ग वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुरा में आयोजित हुई। इसमें राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय थलकला की कक्षा 10 की छात्रा अक्षिता जाट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अक्षिता जाट का राज्य स्तर के लिए चयन हुआ।

**कबड्डी में टीम उपविजेता, दो खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन**

70वीं जिला स्तरीय 17/19 वर्षीय छात्र वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नई अरवड़, शाहपुरा में हुआ। प्रतियोगिता में राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय थलकला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान प्राप्त किया।

17 वर्षीय कबड्डी टीम में कक्षा 10 के नन्दलाल कहार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बेस्ट रेडर का खिताब हासिल किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका राज्य स्तर के लिए चयन हुआ। वहीं 19 वर्षीय कबड्डी टीम में कक्षा 12 के ओम प्रकाश लुहार का भी राज्य स्तर के लिए चयन किया गया।

विद्यालय के इन खिलाड़ियों की उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। प्रधानाचार्य रामप्रसाद माली ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, अनुशासन, खेल भावना और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

# भव्य स्वागत से गूंजा नामदेव समाज, मेयर जसवंत कंवर व पार्षदों का हुआ सम्मान

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा ।** शहर में नामदेव छीपा समाज द्वारा नवनिर्वाचित नगर निगम मेयर श्रीमती जसवंत कंवर एवं पार्षदों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। प्रांतीय युवा महासभा, मेवाड़ महासभा एवं हितकारिणी संस्थान के संयुक्त बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में समाजजनों ने जनप्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। महामंत्री सतीश सरावगी ने बताया कि कार्यक्रम आजाद नगर स्थित नामदेव छात्रावास परिसर में प्रांतीय छीपा समाज अध्यक्ष अशोक गोठरवाल, महामंत्री चन्द्रदीप मेड़तवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष एच.एल. नामा एवं हितकारिणी अध्यक्ष सुरेश गंगवाल के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मेवाड़ महासभा अध्यक्ष नीरज मोनू अंछारा सहित समाज के प्रदेश एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी, पार्षद और बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेवाड़ महासभा अध्यक्ष नीरज मोनू अंछारा ने कहा कि ईश्वर की कृपा से समाज को जनप्रतिनिधित्व का अवसर मिला है, जिसका उपयोग सेवा के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसेवा के माध्यम से ही जनप्रतिनिधियों की जीत सार्थक साबित होगी। सम्मान समारोह से पूर्व निर्वाचित पार्षदों एवं पदाधिकारियों की विशाल वाहन रैली निकाली गई, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। रैली का जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं आतिशबाजी के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इससे पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से सराबोर नजर आया। समारोह में जयपुर, भीलवाड़ा, ब्यावर, जावद, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और शाहपुरा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं वार्डवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सतीश सरावगी ने किया।

# अग्रवाल सम्मेलन की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित, पांच बड़े सेवा प्रकल्पों का संकल्प

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की इकाई दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन की कार्यकारिणी की प्रथम बैठक वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में प्रांतीय संरक्षक डॉ. अशोक सिंघल के सानिध्य में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं सेवा प्रकल्पों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश महामंत्री अमित नागौरी ने बताया कि आगामी अग्रसेन जन्मोत्सव के अवसर पर भीलवाड़ा में कई सेवा एवं सामाजिक कार्य किए जाएंगे। इन सेवा संकल्पों को क्रियान्वित करने के लिए प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश बुबना ने उपस्थित पदाधिकारियों को संकल्प दिलाया।

प्रदेश युवा महामंत्री पंकज अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन जन्मोत्सव के अवसर पर मुख्य संगठन, महिला टीम एवं युवा टीम के माध्यम से पांच बड़े सेवा प्रकल्प आयोजित किए जाएंगे।

**11 जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी**

प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, उदयपुर के निर्देशानुसार डॉ. अशोक सिंघल के नेतृत्व में शिक्षा को संबल कार्यक्रम के तहत कैरियर काउंसलिंग के साथ समाज के 11 जरूरतमंद बच्चों की संपूर्ण पढ़ाई की जिम्मेदारी संगठन द्वारा उठाई जाएगी। बैठक में आशीष अग्रवाल ने बताया कि संगठन की ओर से 21 अग्रवाल परिवारों को संबल एवं विशेष सहायता प्रदान की जाएगी। इसकी पूरी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

**भीलवाड़ा में बड़ा चिकित्सा शिविर लगाने का प्रस्ताव**

चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री डॉ. महेश अग्रवाल ने सुझाव दिया कि भीलवाड़ा में बड़ा चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाए। इसमें उच्चस्तरीय चिकित्सकों द्वारा परामर्श, विभिन्न जांचें, एक्स-रे एवं दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना पर कार्य किया जाएगा। युवा उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने बताया कि शीघ्र ही भीलवाड़ा को राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी का अवसर मिलने वाला है। इसके साथ महिला प्रदेश अध्यक्ष रूपा परसरामपूरिया एवं महिला प्रदेश महामंत्री नूतन सिंगला के नेतृत्व में महिला सम्मेलन तथा युवा प्रदेश महामंत्री के नेतृत्व में युवा सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। प्रदेश मीडिया प्रभारी देवेंद्र गोयल ने बताया कि बैठक में प्रदेश संरक्षक डॉ. अशोक सिंघल, प्रदेश महामंत्री अमित नागौरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश बुबना, प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र मित्तल, युवा प्रदेश महामंत्री पंकज अग्रवाल, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, आशीष लोहिया एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री डॉ. महेश अग्रवाल सहित अन्य अग्रबंधु उपस्थित रहे।

# भीलवाड़ा में 30 से जुटेंगे देशभर के वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी...

*6 दिवसीय बैठक में नेपाल समेत 40 प्रांतों के 350 से अधिक दायित्वधारी होंगे शामिल, जनजाति समाज से जुड़े मुद्दों पर होगा मंथन, स्वदेशी और पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर*

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा ।** वस्त्रनगरी भीलवाड़ा छह दिन तक जनजाति समाज से जुड़े देशव्यापी मंथन का केंद्र बनेगा। 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होने वाली अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम की बैठक में नेपाल समेत देश के 40 प्रांतों से 350 से अधिक पदाधिकारी और दायित्वधारी जुटेंगे। जनजाति समाज से जुड़े मुद्दों, चुनौतियों और आगामी योजनाओं पर यहां व्यापक चिंतन-मंथन होगा। खास बात यह रहेगी कि छह दिवसीय आयोजन में विदेशी वस्तुओं से दूरी और प्लास्टिक डिस्पोजल पर पूरी रोक के जरिए स्वदेशी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जाएगा। बैठक की तैयारियों के तहत सोमवार को पंजीयन कार्यालय का उद्घाटन प्रांत संगठन मंत्री जगदीश कुलमी, रामप्रकाश अग्रवाल और ज्ञानचंद जैन के सानिध्य में हुआ। वनवासी कल्याण आश्रम के जिला उपाध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि छह दिवसीय बैठक में जनजाति समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर चिंतन, विचार-विमर्श और आगामी योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा होगी। बैठक में स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया

जाएगा। आयोजन में विदेशी वस्तुओं का उपयोग नहीं किया जाएगा और प्लास्टिक डिस्पोजल को पूरी तरह दूर रखा जाएगा। आयोजकों का कहना है कि बैठक के माध्यम से स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देने का प्रयास रहेगा। आयोजन को लेकर वनवासी कल्याण परिषद के जिलाध्यक्ष दिवाकर जावा, नगर अध्यक्ष पदम जैन, कैलाश नंदावत, गणेश काबरा, महेश खंडेलवाल, कमल गोखरू, गुणमाला अग्रवाल, तरुणा शर्मा, ओम गंडोदिया, सत्यनारायण सोमानी, भागचंद बाहेती सहित कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं।

# असरा वेलफेयर सोसाइटी का 13वां प्रतिभा सम्मान समारोह एवं 21वीं तालीमी कॉन्फ्रेंस संपन्न...

## मजबूत इरादों को अनुशासन का अमली जामा पहनाने से मिलेगी कामयाबी : डॉ. वसीम खान

### अक्सा नीलगर राजस्थान बोर्ड की शहर कम्युनिटी टॉपर, 51 हजार का नकद पुरस्कार

### हम अपने बुलंद और पस्त जीवन के खुद जिम्मेदार : ताज मोहम्मद रंगरेज

स्मार्ट हलचल

**चित्तौड़गढ़** । असरा वेलफेयर सोसायटी चित्तौड़गढ़ का 13वां प्रतिभा सम्मान समारोह एवं 21वीं तालीमी कॉन्फ्रेंस रविवार को श्रीनाथ गार्डन में आयोजित हुई। कार्यक्रम में मुख्तार अहमद कुरैशी (अंजुमन सदर, उदयपुर), डॉ. वसीम खान (डायरेक्टर आरएनटी ग्रुप), केबीसी विनर ताज मोहम्मद रंगरेज, फतहनगर, एम.एम. शेख (शिक्षा प्रेरक, हज्जन हलीमा ट्रस्ट), डॉ. दिलशाद शामी जयपुर, डॉ. एम.के. पठान, डॉ. उमर फारूख गौरी (संचालक महाराणा प्रताप कॉलेज) तथा हाजी मोहम्मद अली छीपा (समाजसेवी एवं भामाशाह) सहित अतिथियों ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रोत्साहन दिया। कार्यक्रम में राजस्थान बोर्ड की शहर कम्युनिटी टॉपर अक्सा नीलगर को हज्जन हलीमा ट्रस्ट की ओर से 51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार मिलने पर उपस्थित समाजजनों ने खड़े होकर बालिका का उत्साहवर्धन किया। इसके अलावा 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को 1100 रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। दो निर्धन बालिकाओं को 5100-5100 रुपये तथा एक बालिका को 1100 रुपये की सहायता प्रदान की गई। असरा वेलफेयर सोसायटी की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए एम.एम. शेख को 'निशान-ए-इम्तियाज' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन इकरा फातिमा ने किया। इस दौरान कक्षा 10वीं के 35, 12वीं के 23 तथा डिग्री, डिप्लोमा एवं अन्य क्षेत्रों के कुल 90 विद्यार्थियों के सम्मान के लिए नाम पुकारे गए। प्रतिभाओं के सम्मान पर समाजजनों ने करतल ध्वनि से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद शहर काजी मुस्तफा साहब ने विद्यार्थियों को हलफ (शपथ) दिलाकर आगामी सफलता के लिए प्रेरित किया। संस्थापक अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक नूरी ने कहा कि समाज में दिखावे की रस्मों-रिवाज में कमी कर शिक्षा के संस्थान स्थापित करने पर जोर दिया जाना चाहिए। इस अवसर पर समाज की चार तंजीमों को असरा स्पेशल अवार्ड से सम्मानित किया गया। फ्रेंड्स ग्रुप भीलवाड़ा को सामूहिक विवाह, दारुल उलूम गोसिया अजीजिया लोहारिया को बच्चियों की तालीम, तिरंगा कमेटी चित्तौड़गढ़ को राष्ट्रीय भावना के लिए प्रेरित करने तथा अंजुमन तालीमुल इस्लाम उदयपुर को बालिकाओं की शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में कार्य के लिए सम्मानित किया गया। संस्था सह सचिव अमजद खान एवं नीदा खानम ने प्रतिभा सम्मान समारोह में सहयोग करने वाली संस्थाओं हज्जन हलीमा बेगम ट्रस्ट, हज्जन जाहिद बेगम फाउंडेशन चित्तौड़गढ़, तमन्ना-ए-तालीम सोसायटी सावा, शेख समाज वेलफेयर सोसायटी चित्तौड़गढ़ एवं सैय्यद साजिद अली उदयपुर का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। डॉ. वसीम खान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मजबूत इरादों को अनुशासन का अमली जामा पहनाकर ही कामयाबी हासिल की जा सकती है। वहीं केबीसी विनर ताज मोहम्मद रंगरेज ने कहा कि व्यक्ति अपने जीवन की बुलंदी और पस्ती के लिए स्वयं जिम्मेदार होता है।

# कठूमर में स्काउट गाइड स्थानीय संघ का 30वां वार्षिक अधिवेशन आयोजित

## स्काउट आंदोलन को प्रभावी बनाने और शैक्षिक नवाचारों पर हुई चर्चा

स्मार्ट हलचल

**कठूमर।** राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ कठूमर का 30वां वार्षिक अधिवेशन प्रधान रवि दत्त वकील की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वज शिष्टाचार के साथ की गई। इसके बाद अधिवेशन की विधिवत कार्यवाही शुरू हुई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गारू के प्रधानाचार्य कृष्णकांत गुप्ता ने उपस्थित अतिथियों, प्रधानाचार्यों, स्काउट गाइडरों एवं सदस्यों का स्वागत किया। स्थानीय संघ के सचिव ओम प्रकाश गुप्ता ने गत वर्ष की गतिविधियों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान कोषाध्यक्ष एवं ऑडिटर की नियुक्ति की गई तथा आजीवन सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई गई। अधिवेशन में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र रावत ने स्काउट एवं गाइड प्रवृत्ति को विद्यालयों में अधिक प्रभावी बनाने पर विचार रखे। बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नंबर दो खेरली के प्रधानाचार्य बालकिशन तिवारी ने स्काउट आंदोलन एवं शैक्षिक नवाचारों पर अपनी वार्ता प्रस्तुत की। वहीं आरपी ब्लॉक कठूमर के लक्ष्मण सिंह राजपूत ने ईको क्लब के सफल संचालन एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर जानकारी दी। प्रभारी जिला कमिश्नर एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राधेश्याम चौधरी ने स्काउट गाइड गतिविधियों को विद्यालय स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया तथा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्काउट आंदोलन विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रधानाचार्य, स्काउट गाइडर एवं स्काउट गाइड सदस्य मौजूद रहे। मंच संचालन उमेश कुमार शर्मा ने किया।

# 10 अक्टूबर की राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैठक

## लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को राजीनामे से निस्तारित कराने पर दिया जोर

स्मार्ट हलचल

**कठूमर।** तालुका विधिक सेवा समिति कठूमर की ओर से आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर सोमवार को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश कठूमर के अवकाशागार में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के अध्यक्ष अनंत भण्डारी के निर्देशानुसार हुई। अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव एवं अपर जिला न्यायाधीश मोहन लाल सोनी ने की। तालुका विधिक सेवा समिति कठूमर की सचिव रूचि शर्मा ने बताया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 10 अक्टूबर को आयोजित होगी। बैठक में पक्षकारों को बैंक से संबंधित मामलों सहित अन्य लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को आपसी राजीनामे के माध्यम से निस्तारित कराने के लिए प्रेरित किया गया। अधिवक्ताओं से भी अधिकाधिक प्रकरण लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित कराने में सहयोग करने का आह्वान किया गया। बैठक में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर की ओर से संचालित 'मीडियेशन फॉर द नेशन' अभियान के संबंध में भी अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को जानकारी दी गई। मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का शीघ्र एवं आपसी सहमति से समाधान कराने पर जोर दिया गया। वर्तमान में तालुका विधिक सेवा समिति कठूमर में 10 अधिवक्ता एवं एक न्यायिक अधिकारी अपर जिला न्यायाधीश मध्यस्थ के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। सचिव मोहन लाल सोनी ने निःशुल्क विधिक सहायता, स्थाई लोक अदालत एवं राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना सहित विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निःशुल्क विधिक सहायता योजना के तहत महिला, बालक, न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध बंदी, अनुसूचित जाति-जनजाति के व्यक्ति, अल्प आय वर्ग के व्यक्ति, प्राकृतिक आपदा से प्रभावित एवं मानवीय दुराचार से पीड़ित व्यक्तियों को न्यायालय में पक्ष रखने के लिए निःशुल्क अधिवक्ता की सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कठूमर में वर्तमान में इस योजना के तहत आठ पैनल अधिवक्ता नियुक्त हैं। उन्होंने बताया कि पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत गठित समिति द्वारा पात्र पीड़ितों को नियमानुसार प्रतिकर राशि दिलाई जाती है। हाल ही में अलवर में हुए ट्रिपल मर्डर एवं दुर्घटना प्रकरण में समिति की ओर से तत्काल बैठक आयोजित कर पीड़ितों को 24 घंटे के भीतर पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत प्रतिकर राशि का भुगतान करवाया गया। बैठक में अपर जिला न्यायाधीश कठूमर उदय सिंह अलोरिया, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट युधिष्ठर मीणा, न्यायिक मजिस्ट्रेट आदित्य शर्मा, तालुका विधिक सेवा समिति सचिव रूचि शर्मा, बार संघ कठूमर अध्यक्ष सुभाष अर्रुआ सहित अधिवक्ता रामजीत सिंह, राधावल्लभ शर्मा, सुभाष चंद शर्मा, सत्येन्द्र सिंह चौधरी, बलवीर सिंह चौधरी, ललित मोहन शर्मा, रामजीलाल शर्मा, ओमवीर सिंह फौजदार, तेजसिंह राठी, भवानी शंकर शर्मा, समंदर कुमार शर्मा एवं पीएलवी योगेश चौहान, वीरेन्द्र कुमार शर्मा मौजूद रहे।

### फार्मासिस्ट परिवार मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

# फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी, दवाओं के सुरक्षित उपयोग में अहम भूमिका : डॉ. कैले

स्मार्ट हलचल

**कोटा।** राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ (एकीकृत), जिला शाखा कोटा की ओर से फार्मासिस्ट परिवार मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का आयोजन पोरवाल भवन, सुभाष नगर में किया गया। समारोह में जिलेभर से बड़ी संख्या में फार्मासिस्ट एवं उनके परिवार शामिल हुए। कार्यक्रम में फार्मासिस्ट परिवारों की शैक्षणिक एवं खेल प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. महावीर प्रसाद खींची ने बताया कि समारोह में औषधि नियंत्रण विभाग कोटा के ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर डॉ. संदीप कैले, आशाराम मीणा, योगेश कुमार, दिनेश कुमावत एवं ओमप्रकाश चौधरी तथा बूंदी के ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर निशांत बघेरवाल अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने फार्मासिस्ट परिवारों के विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा एवं उपलब्धियों के लिए पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में संघ के पूर्व अध्यक्षों सुरेश मेहरा, राजीव वर्मा, मुरारीलाल नागर, जगदीश मीणा एवं प्रदीप खींची का भी सम्मान किया गया। डॉ. संदीप कैले ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। दवाओं के सुरक्षित उपयोग के साथ औषधियों के भंडारण और उनके लिए निर्धारित तापमान को बनाए रखना भी फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने फार्मासिस्टों से अपने ज्ञान एवं कौशल का निरंतर उपयोग करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. महावीर प्रसाद खींची ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे रोगियों को दवाइयों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूक करने के साथ सही औषधि उपयोग सुनिश्चित करने में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाने में फार्मासिस्टों की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण बनी हुई है। डॉ. महावीर प्रसाद खींची ने बताया कि समारोह में फार्मासिस्ट परिवारों के शैक्षणिक एवं खेल क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाले 50 से अधिक बच्चों को सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य फार्मासिस्टों के योगदान को सम्मान देना, उनके परिवारों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा समाज में दवाओं के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पलक जैन एवं लोकेश गुप्ता ने किया। कार्यक्रम संयोजक मुरारीलाल नागर ने समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं फार्मासिस्ट साथियों का आभार व्यक्त किया।

# खेरली मंडी में नवगठित तालुका विधिक सेवा समिति का सचिव ने किया निरीक्षण

## आमजन तक निःशुल्क विधिक सहायता और अधिकारों की जानकारी पहुंचाने पर दिया जोर

स्मार्ट हलचल

**खेरली मंडी।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव एवं अपर जिला न्यायाधीश मोहनलाल सोनी ने नवगठित तालुका विधिक सेवा समिति खेरली मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समिति के कार्यालयीन कार्यों एवं विधिक सेवा गतिविधियों की जानकारी ली तथा राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं तालुका विधिक सेवा समिति के निर्देशानुसार कार्य करने के निर्देश दिए। मोहनलाल सोनी ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रमुख उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं पात्र लोगों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाना तथा आमजन को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों सहित अधिक से अधिक लोगों तक विधिक जागरूकता पहुंचाने के लिए नियमित रूप से निःशुल्क विधिक जागरूकता शिविर एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से आमजन को उनके मौलिक एवं विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर योजना तथा विभिन्न विधिक सेवाओं की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराई जाए, ताकि जरूरतमंद व्यक्ति समय पर अपने अधिकारों और उपलब्ध कानूनी सहायता के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने अधिवक्ता संघ खेरली मंडी के अधिवक्ताओं के साथ संवाद भी किया। इस दौरान नवगठित तालुका विधिक सेवा समिति की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों एवं विधिक सेवा गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने अधिवक्ताओं से विधिक जागरूकता एवं निःशुल्क विधिक सहायता के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की सक्रिय भागीदारी से विधिक सेवा गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जा सकता है तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं विधिक सहायता की जानकारी पहुंचाई जा सकती है।

इस अवसर पर तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष राजीव जिंदल (सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट), बार अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरुका, रीडर बालस्वरूप चौधरी, राकेश कुमार शर्मा, जितेंद्र गर्ग, ओमप्रकाश जेमन, तालुका विधिक सेवा समिति के सचिव लोकेश शर्मा, पैरालीगल स्वयंसेवक दीपक कुमार मीना सहित अधिवक्ता संघ के समस्त अधिवक्ता एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

# पर्यावरण स्वीकृति के प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर

## शासन सचिव शैलजा देवल ने राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति-4, उदयपुर की बैठक में की प्रक्रिया की समीक्षा

स्मार्ट हलचल

**उदयपुर** । राज्य में पर्यावरण स्वीकृति (Environmental Clearance) के प्रकरणों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर सोमवार को राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति-4, उदयपुर की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शासन सचिव, पर्यावरण विभाग एवं सदस्य सचिव, राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण, जयपुर श्रीमती शैलजा देवल ने की। बैठक में समिति अध्यक्ष श्री राहुल भटनागर, सदस्य श्री ओम प्रकाश शर्मा, श्री नवीन कुमार व्यास, श्री सतीश कुमार श्रीमाली एवं डॉ. अनुपम भटनागर, सदस्य सचिव श्री विनय कट्टा सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्री भूपेन्द्र कुमार सोनी, कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता सुश्री गरिमा चौधरी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में समिति अध्यक्ष, सदस्यों एवं सदस्य सचिव ने शासन सचिव श्रीमती शैलजा देवल का स्वागत एवं अभिनंदन किया। शासन सचिव ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए प्राप्त प्रकरणों के परीक्षण एवं निस्तारण की प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रकरणों के निस्तारण में आ रही तकनीकी एवं व्यावहारिक कठिनाइयों की जानकारी लेते हुए इनके प्रभावी समाधान पर अधिकारियों एवं समिति सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की।

**पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रक्रिया पर विशेष जोर**

श्रीमती देवल ने कहा कि पर्यावरण स्वीकृति से संबंधित प्रकरणों का परीक्षण निर्धारित पर्यावरणीय मानकों एवं नियमों के अनुरूप समग्रता, गहनता और समयबद्धता के साथ किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो तथा परियोजना प्रस्तावकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर निर्णय प्राप्त हो, इसके लिए सभी स्तरों पर बेहतर समन्वय एवं प्रभावी कार्यप्रणाली सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रकरणों के परीक्षण के दौरान आवश्यक दस्तावेजों की उपलब्धता, तकनीकी पहलुओं के मूल्यांकन, परियोजनाओं से जुड़े पर्यावरणीय प्रभावों के आकलन तथा विभिन्न स्तरों पर सामने आने वाली प्रक्रियात्मक समस्याओं सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों एवं सदस्य सचिव ने पर्यावरण स्वीकृति के प्रकरणों के परीक्षण के दौरान सामने आने वाली विभिन्न तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक कठिनाइयों से शासन सचिव को अवगत कराया। शासन सचिव ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इन विषयों के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के साथ-साथ निर्धारित प्रक्रिया, नियमों एवं पर्यावरणीय मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने समिति के सदस्यों, सदस्य सचिव एवं संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पर्यावरण स्वीकृति प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने के निर्देश दिए।

**कार्यालय परिसर में किया पौधारोपण**

बैठक के पश्चात् शासन सचिव, पर्यावरण विभाग श्रीमती शैलजा देवल ने राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति-4, उदयपुर के कार्यालय परिसर में आम का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक के अंत में समिति के सदस्य सचिव श्री विनय कट्टा ने शासन सचिव श्रीमती शैलजा देवल सहित सभी उपस्थित सदस्यों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

### 70वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आगाज

# 35 जिलों के 1141 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम, 'किक द ड्रग' के तहत दिलाई नशामुक्ति की शपथ

स्मार्ट हलचल

**अनिल कुमार खींची ब्यावर।** श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ में सोमवार को 17-19 वर्ष छात्र-छात्रा वर्ग की 70वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2026-27 का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के 35 जिलों से 1141 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने मार्चपास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष के विशेषाधिकारी एवं राजस्थान कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजीव दत्ता रहे, जबकि अध्यक्षता ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने की। नगर परिषद सभापति पुष्पा बल्दुआ, उपसभापति दीक्षांत हरचंदानी, प्रदेश मंत्री अमरजीत सिंह राठौड़ सहित शिक्षा एवं खेल विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं प्रतियोगिता ध्वज के ध्वजारोहण से हुआ। अतिथियों ने कबूतर व गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की। विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने राजस्थान की संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। मुख्य अतिथि राजीव दत्ता ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ताइक्वांडो जैसे खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरी मेहनत और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने 'किक द ड्रग' अभियान के तहत युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए खिलाड़ियों एवं उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने कहा कि ब्यावर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जिले के लिए गौरव का विषय है। ऐसे आयोजन युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। इस दौरान श्री वर्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख को ब्यावर जिला कुश्ती संघ का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। अतिथियों ने माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। डॉ. पारख ने प्रतियोगिता में शामिल 1141 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों का स्वागत करते हुए आयोजन में सहयोग करने वाले सभी विभागों एवं संस्थाओं का आभार जताया। जिला शिक्षा अधिकारी शंकरलाल शर्मा ने प्रतियोगिता का परिचय दिया, जबकि जिला खेल अधिकारी गोविंदलाल सैनी ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके बाद उद्घाटन मैच के साथ प्रतियोगिता का विधिवत आगाज हुआ। प्रतियोगिता संयोजक एवं प्रधानाचार्य डॉ. निवेदिता पाठक ने अतिथियों, खिलाड़ियों एवं व्यवस्थाओं में जुटे कार्मिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

## संक्षिप्त समाचार

### 87 साल की महिला के खिलाफ पुलिस के एक्शन से हिल गया पूरा स्पेन, सरकार भी सिस्टम बदलने को हुई मजबूर

**मैड्रिड , एजेंसी।** स्पेन की राजधानी मैड्रिड में शनिवार को हजारों लोगों ने 87 साल की मैरीकारमेन अबासकल को घर से निकाले जाने के विरोध में मार्च निकाला. प्रदर्शनकारियों ने किरायेदारों को ज्यादा सुरक्षा देने, बढ़ते किराए पर रोक लगाने और लोगों को घर से निकालना मुश्किल बनाने की मांग की. इस घटना ने 2027 के आम चुनाव से पहले स्पेन के गंभीर आवास संकट को फिर चर्चा में ला दिया है. मैरीकारमेन अबासकल को बुधवार को उनके घर से निकाला गया था. वह करीब 70 साल से इसी घर में रह रही थीं. पुलिस ने उनके फ्लैट का दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला. उस समय उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाया गया. इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने उनकी बेदखली को सामाजिक त्रासदी बताया है. सरकार अगले कैबिनेट बैठक में मैरीकारमेन डिक्री लाने की तैयारी कर रही है. इसमें किराए के समझौतों को अपने-आप आगे बढ़ाने और बेदखली पर और पाबंदियां लगाने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं. हालांकि, संसद में सरकार के पास बहुमत नहीं है, इसलिए प्रस्ताव का पास होना तय नहीं है. मैरीकारमेन की तस्वीरें सामने आने के बाद स्पेन में आवास संकट को लेकर गुस्सा बढ़ गया. शनिवार के प्रदर्शन में लोग चाबियां बजाते, सीटी बजाते और नारे लगाते हुए मध्य मैड्रिड से गुजरे. एक बैनर पर लिखा था- अगली मैरीकारमेन आप हो सकती हैं. सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शन में करीब 25 हजार लोग शामिल हुए. वहीं, आयोजकों ने दावा किया कि करीब 3 लाख लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया. मैरीकारमेन के मुताबिक, जिस रियल एस्टेट कंपनी ने उनकी संपत्ति खरीदी, उसने उनका किराया 275% बढ़ाकर 2,650 यूरो कर दिया था. इसके बाद वह घर का बढ़ा हुआ किराया नहीं दे सकीं. अस्पताल से जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की. उन्होंने कहा कि उनके साथ जो हुआ, वह दूसरों के साथ न हो और कानून में बदलाव के लिए लोग आवाज उठाएं. बैंक ऑफ स्पेन के मुताबिक, करीब 5 करोड़ आबादी वाले स्पेन में 7 लाख घरों की कमी है. देश में सरकारी आवास भी कम है. पर्यटन और बढ़ती आबादी के कारण घरों की मांग और किराए दोनों बढ़े हैं।

### अमेरिका के अल्बामा में टिकटॉक ने 958 करोड़ रुपये का समझौता किया

**अल्बामा , एजेंसी।** टिकटॉक और उसकी पैरेंट कंपनी बाइट डांस ने अमेरिकी राज्य अल्बामा के साथ 100 मिलियन डॉलर (958 करोड़ रुपये) का ऐतिहासिक समझौता किया है, जिससे किशोरों में सोशल मीडिया की लत और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का मुकदमा टल गया है। इस समझौते के तहत, अल्बामा में किशोरों के ऐप इस्तेमाल करने पर कई सख्त पाबंदियां लागू की जाएंगी।

### चंद्रमा पर बिजली बनाएंगे बेजोस बनाया 20 मीटर ऊंचा सोलर टावर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी कारोबारी जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन ने भविष्य के मून बेस को ऊर्जा देने के लिए एक विशालकाय 20 मीटर ऊंचे सोलर 'पावर टावर' का निर्माण किया है। चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव बस्तियों को बनाए रखने के लिए बिजली का संकट सबसे बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए इस वर्टिकल सोलर ऐरे सिस्टम को डिजाइन किया गया है।

### 4.27 सेकंड में रूबिक्स क्यूब सेट कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन की 6 वर्षीय लियान युनजी (झिझि) ने मात्र 4.27 सेकंड में 3×3×3 रुबिक्स क्यूब सेट करने का महिला वर्ग में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने वर्ल्ड क्यूब एसोसिएशन की प्रतियोगिताओं में यह कीर्तिमान स्थापित किया। सिचुआन प्रांत के चेंगदू की रहने वाली झिझि प्रतिदिन 2 से 3 घंटे तक रुबिक्स क्यूब का अभ्यास करती हैं। उन्होंने रुबिक्स क्यूब के लिए 1,300 से ज्यादा एल्गोरिदम पर महारत हासिल की है। रूबिक क्यूब को सबसे कम समय में हल करने का रिकॉर्ड पोलैंड के टियोडोर जाजडर के नाम है, जिन्होंने इसे 2.76 सेकंड में हल किया है।

# संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का रूस ने समर्थन किया

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी का जोरदार समर्थन किया. साथ ही पश्चिमी देशों के पुनः प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी.

संयुक्त राष्ट्र महासभा में दुनिया के नेताओं को संबोधित करते हुए लावरोव ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में किसी भी सुधार से परिषद और उसके परमानेंट सदस्यों के खास अधिकार कम नहीं होने चाहिए. मॉस्को के उसूलों वाले रुख को बताते हुए उन्होंने जोर दिया कि सुधारों में पश्चिमी देशों को और सीटें देने से बचना चाहिए.

लावरोव ने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार में पश्चिमी देशों, खासकर जर्मनी और जापान को अतिरिक्त सीट नहीं दी जा सकती, जो अब सैन्यवाद और बदला लेने की राह पर हैं.' ज्यादा सबको साथ लेकर चलने वाले और भौगोलिक रूप से संतुलित वैश्विक वास्तुकला की वकालत करते हुए रूसी विदेश मंत्री ने ग्लोबल साउथ से पुनः प्रतिनिधित्व बढ़ाने का ज़ोरदार समर्थन किया.

लावरोव ने कहा, 'हम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के रिप्रेजेंटेशन को बढ़ाने के पक्ष में हैं. हम परमानेंट सीट के लिए ब्राजील और भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं. और साथ ही, मैं इस बात पर

ज़ोर देना चाहता हूं कि हमें इजराइली आम सहमति और एसईएटी घोषणा के अनुसार अफ्रीकी महाद्वीप के हितों को पूरा करना चाहिए।

रूस समेत ब्रिक्स देशों ने पहले नई दिल्ली डिक्लेरेशन में संयुक्त राष्ट्र जिसमें सुरक्ष परिषद भी शामिल है, में ब्राजील और भारत की बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीदों के लिए अपना सपोर्ट दोहराया था. संयुक्त राष्ट्र हेडक्वार्टर में चल रही आम बहस के दौरान इसी मोमेंटम को आगे बढ़ाते हुए दुनिया भर के नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि परिषद को आज की जियोपॉलिटिकल और इकोनॉमिक हकीकतों को दिखाने की तुरंत जरूरत है. मॉरिशस ने अपने भाषण के दौरान भारत की दावेदारी का साफ तौर पर समर्थन किया. मॉरिशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने नई दिल्ली का साथ देते हुए कहा, 'हम काउंसिल सुधार पर जी4 और एल69 की बातों का सपोर्ट करते हैं, और हम ग्लोबल मामलों में भारत की कंस्ट्रक्टिव भूमिका के हिसाब से परमानेंट सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए अपना सपोर्ट दोहराते हैं। भारत को अपने सपोर्ट के साथ-साथ, मॉरिशस ने कॉमन अफ्रीकन पोजीशन का भी समर्थन किया, जिसमें सही रीजनल रिप्रेजेंटेशन, नए परमानेंट मेंबर्स के लिए समान अधिकार और छोटे आइलैंड डेवलपिंग देशों के लिए खास जगह देने पर ज़ोर दिया गया. पुर्तगाल ने भी स्ट्रक्चरल रिफॉर्म की मांग को और बढ़ाया, पुर्तगाली प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने अफ्रीका, ब्राजील और भारत के लिए परमानेंट रिप्रेजेंटेशन वाली एक ज़्यादा रिप्रेजेंटेटिव काउंसिल की वकालत की. नई दिल्ली की महत्वाकांक्षाओं को चार देशों के जी4 अलायंस के जरिए अप्रत्यक्ष सपोर्ट मिला. मार्शल आइलैंड्स की प्रेसिडेंट हिल्डा हेइन ने यह सपोर्ट करते हुए कहा, 'मार्शल आइलैंड्स संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में परमानेंट मेंबरशिप हासिल करने के लिए जापान और उसके जी4 पार्टनर्स को अपने लंबे समय से सपोर्ट की पुष्टि करता है.' जबकि जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने अपने भाषण में अलग-अलग जी4 कैंडिडेट का नाम नहीं लिया, टोक्यो ने रिफॉर्म को सबसे आगे रखा. तेजी से स्ट्रक्चरल बदलावों का आग्रह करते हुए ताकाइची ने कहा, 'हमें इसे बिना देर किए एक ऐसे स्ट्रक्चर में बदलने की जरूरत है जो सही मायने में अंतरराष्ट्रीय समदाय की मौजूदा हकीकत को दिखाए.' उन्होंने आगे परमानेंट और नॉन-परमानेंट दोनों कैटेगरी में विस्तार की वकालत की, और मेंबर देशों के बीच व्यापक सहमति पर ध्यान दिया. अन्य अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने कैंडिडेट देशों का नाम बताए बिना रीजनल बराबरी पर ज़ोर दिया. फिनलैंड के प्रेसिडेंट अलेक्जेंडर स्टब ने वीटो पावर कंसंट्रेशन को मना करते हुए अफ्रीका, एशिया-पैसिफ़िक और लैटिन अमेरिका के लिए परमानेंट स्लॉट का समर्थन किया, जबकि सेंट लूसिया के प्राइम मिनिस्टर फिलिप जे. पियरे ने लंबी बातचीत को तुरंत खत्म करने की अपील की. पियरे ने कहा, 'अफ्रीका, एशिया-पैसिफिक, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन रीजन के लिए परमानेंट और नॉन-परमानेंट मेंबरशिप बढ़ाने के लिए लंबे समय से चल रहे रिफ़ॉर्म प्रोसेस को जल्दी खत्म किया जाना चाहिए.' अफ्रीकी देशों ने संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी सिक्योरिटी बॉडी के हिस्टॉरिकल इम्बैलेंस को लेकर एक साथ मिलकर काम किया. भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान के साथ जी4 फ्रेमवर्क के तहत काम करते हुए अपनी बड़ी आबादी, तेज इकोनॉमिक ग्रोथ, ,संयुक्त राष्ट्र पीसकीपिंग में बड़े पैमाने पर योगदान और ग्लोबल साउथ के लिए एक मुख्य आवाज़ के तौर पर अपनी स्थिति पर अपनी बात रखता आ रहा है।

# बैंकॉक में बाढ़- गाड़ियां डूबीं, बसों में भरा पानी: सड़कों पर सांप घूम रहे, 48 घंटे में 300 मिमी बारिश

**बैंकॉक, एजेंसी।** थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भारी बारिश के बाद बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। सड़कों पर पानी भरने से गाड़ियां डूब गई और बसों में भी पानी घुस गया। कई इलाकों में लोग कमर तक भरे पानी से गुजरने को मजबूर हैं। इस बीच, बाढ़ के पानी में सांप दिखाई देने की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए हैं। प्रशासन ने शहर के सभी 50 जिलों को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है। मौसम विभाग ने 27 सितंबर तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। बैंकॉक के कुछ इलाकों में शनिवार तक 48 घंटे के दौरान करीब 300 मिमी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश से प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं।

**सड़कों पर कमर तक पानी, लोग मोटरसाइकिल धकेलते दिखे :** बाढ़ के कारण पूर्वी बैंकॉक के कई इलाकों में लोग घुटनों और कमर तक भरे पानी से गुजरते नजर आए। कुछ लोग पानी में फंसी मोटरसाइकिलों को धकेलते दिखे, जबकि कई सड़कों पर कारें आधी डूबी हुई थीं। जलभराव वाले इलाकों में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। कुछ दुकानों में जरूरी सामान की कमी भी सामने आई है। लोग खाने-पीने की चीजें खरीदने के लिए दुकानों पर पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से घबराने की जरूरत नहीं होने की अपील की है। सोमवार को स्कूल बंद रखने का फैसला भी लिया गया है।

**4200 से ज्यादा लोग राहत शिविरों में रह रहे :** बैंकॉक प्रशासन के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 233 अस्थायी राहत शिविर बनाए गए हैं। इनमें करीब 4200 लोग शरण ले चुके हैं। प्रधानमंत्री अनुटिन चार्नविराकुल लंदन का दौरा बीच में छोड़कर बैंकॉक लौट आए हैं।

**थाईलैंड के 21 प्रांतों में भी बाढ़ जैसे हालात :** थाईलैंड के आपदा रोकथाम और राहत विभाग के मुताबिक, शनिवार को देश के 21 प्रांतों में भी बाढ़ जैसे हालात है। मौसम विभाग ने रविवार को देश के ज्यादातर हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है। इससे बाढ़ की स्थिति और बिगड़ने की आशंका है। हालांकि, कुछ इलाकों में बारिश कम होने के बाद प्रशासन ने पानी निकालने का काम तेज कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, बारिश नहीं हुई तो जलस्तर धीरे-धीरे घट सकता है।

**सितंबर में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई :** बैंकॉक के ड्रेनेज और सीवरेज विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। 1 से 25 सितंबर के बीच राजधानी में 487 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। 1991 से 2020 के बीच इसी अवधि का औसत करीब 269 मिलीमीटर था।

# हूती हमलों के मद्देनजर सऊदी अरब की सुरक्षा में सहयोग करेंगे पाकिस्तान, तुर्किये

**इस्लामाबाद , एजेंसी।** सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के शीर्ष रक्षा अधिकारियों ने यमन के हूती विद्रोहियों के हालिया हमलों के मद्देनजर 'मक्का रक्षा गठबंधन' के तहत सऊदी अरब की सुरक्षा में सहयोग करने का संकल्प लिया है. पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी. तीनों देशों ने पिछले महीने एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें सामूहिक रक्षा की व्यवस्था की गई है. समझौते के अनुसार, किसी एक देश पर सशस्त्र हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा. सेना के एक बयान के अनुसार, तीनों देशों के रक्षा बलों के प्रमुखों और 'चीफ्स ऑफ जनरल स्टाफ' की बैठक शुक्रवार को रियाद में हुई. बैठक में सऊदी अरब की सुरक्षा स्थिति और उसके सामने मौजूद खतरों की समीक्षा की गई. बयान में कहा गया, ''प्रतिभागियों ने सामूहिक रक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और सऊदी अरब की सुरक्षा, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के तीनों देशों के संकल्प को दिखाया.'' बयान के अनुसार, प्रतिभागियों ने पवित्र शहर मक्का तथा असैन्य और आर्थिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए हमलों पर नाराजगी जताई. उन्होंने सऊदी अरब के सशस्त्र बलों की सतर्कता और पेशेवर रवैये की सराहना की. बैठक में तीनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग को और बढ़ाने तथा खुफिया जानकारी साझा करने, सैन्य समन्वय और क्षमताओं के एकीकरण को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई. सेना के अनुसार, प्रतिभागियों ने कहा कि रियाद में हुई बैठक तीनों देशों की रक्षा साझेदारी की मजबूती और 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' के तहत की गई प्रतिबद्धताओं को तत्काल प्रभावी सैन्य सहयोग में बदलने के साझा संकल्प को दर्शाती है. यह बैठक तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की न्यूयॉर्क में हुई मुलाकात के एक दिन बाद हुई. उस बैठक में उन्होंने सऊदी अरब के सामने मौजूद चुनौतियों पर चर्चा की थी. पाकिस्तान ने बुधवार को पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल नौमान महमूद को इस त्रिपक्षीय गठबंधन का पहला महासचिव नियुक्त किया था।

# नॉरईस्टर ने अमेरिका में मचाई तबाही: समंदर उफना, सड़कें डूबीं और हजारों घरों की बिजली गुल, सड़कों पर चलीं नावें

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के उत्तर-पूर्वी हिस्से में शनिवार को एक बेहद ताकतवर और धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रहे नॉरईस्टर तूफान ने जमकर कहर बरपाया। तेज हवाओं ने जगह-जगह बिजली की सप्लाई ठप कर दी, जबकि ऊंची समुद्री लहरों और लगातार हो रही बारिश ने तटीय इलाकों में हालात बिगाड़ दिए। इस तूफान की चपेट में करोड़ों लोग आए और एक समय क्षेत्र में करीब एक लाख बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के रह गए। मौसम विभाग ने साफ किया कि फिलहाल राहत के आसार नहीं हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा के प्रमुख पूर्वानुमानकर्ता बॉब ओरावेक ने कहा कि अगले कुछ दिनों तक उत्तर-पूर्वी अमेरिका में तेज हवाओं, ऊंची ज्वार-लहरों और भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

**ऊंची लहरों और ज्वार ने तटीय इलाकों में बढ़ाई मुसीबत**

: मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार रात से रविवार तक न्यू जर्सी के अटलांटिक सिटी के उत्तर में समुद्र का ज्वार सबसे ज्यादा ऊंचा रहने की आशंका थी। इससे समुद्र के किनारे और खाड़ी वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर सड़कें डूबने का खतरा पैदा हो गया। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होकुल ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा, 'इस सप्ताहांत पानी के पास जाना या पानी में उतरना अपनी जान को दांव पर लगाने जैसा है।'

**लॉन्ग आइलैंड की सड़कों पर चलीं नावें और कयाक :** न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में पानी इतना भर गया कि कुछ लोग सड़कों पर कयाक चलाते नजर आए। न्यू जर्सी के तटीय इलाके सर्फ सिटी में मरीना चलाने वाले केनी फॉर्मिका घर बैठे अपने सुरक्षा कैमरों पर पानी को मरीना के अंदर घुसते देख रहे थे। फॉर्मिका ने बताया कि उनके मरीना की इमारत के अंदर पानी पहुंचना बेहद दुर्लभ है। उन्हें आखिरी बार ऐसा 2012 में आए हरिकेन सैंडी के दौरान याद है। उस तूफान में उनके कारोबार को 40 लाख डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ था। तूफान से पहले कर्मचारियों ने डॉक की रस्सियां मजबूत कर दी थीं, खुले में रखी चीजों और उपकरणों को सुरक्षित जगह पहुंचा दिया था। मरीना के ट्रक और फोर्कलिफ्ट भी परिसर की सबसे ऊंची जगह पर खड़े कर दिए गए थे। एक ग्राहक ने सुबह करीब 4 बजे उन्हें वीडियो भेजा, जिसमें उनकी 25 फुट लंबी नाव लिफ्ट से उखड़कर बहती दिखाई दे रही थी। फॉर्मिका ने कहा, 'यह करीब 8,000 पाउंड यानी लगभग 3,600 किलो की नाव है।

# नेपाल में एक और त्रासदी: हिमलुंग हिमाल बेस कैंप में अचानक हिमस्खलन, 10 लोग लापता; कई दिन से हो रही थी बर्फबारी

**काठमांडो , एजेंसी।** नेपाल के पश्चिमी हिस्से में तिब्बत की सीमा के पास स्थित हिमलुंग हिमाल के बेस कैंप में रविवार सुबह भीषण हिमस्खलन हुआ। इस हादसे के बाद कम से कम 10 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। लापता लोगों में अलग-अलग पर्वतारोहण अभियानों से जुड़े लोग शामिल हैं। अभियान आयोजकों के मुताबिक, दो लापता लोग रसोई में काम करने वाले कर्मचारी हैं। इलाके में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी हो रही थी और खराब मौसम के कारण पर्वतारोहण अभियान पहले ही मुश्किल हो गए थे।

**हिमलुंग हिमाल में आखिर क्या हुआ :** अभियान आयोजक मिंगमा ग्यालजे शेरपा के मुताबिक, हिमस्खलन रविवार सुबह आया। उन्होंने बताया कि उनके रसोई कर्मचारियों में से दो लोग भी लापता हैं। पिछले सप्ताह मौसम को लेकर चेतावनी जारी होने के बाद पर्वतारोहण दल और रस्सी लगाने वाली टीमें पहाड़ की ढलानों से नीचे लौट आई थीं। हालांकि, कुछ लोग वहां रुक गए थे। रविवार को आए हिमस्खलन की चपेट में आने के बाद कम से कम 10 लोगों के लापता होने की जानकारी मिली है। ये सभी लोग अलग-अलग अभियान कंपनियों से जुड़े हुए थे।

**क्या कई दिनों से लगातार हो रही थी बर्फबारी :** हिमलुंग हिमाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भारी बर्फबारी हो रही थी। खराब मौसम के कारण पर्वतारोहियों को शरद ऋतु में होने वाली चढ़ाई से पीछे हटना पड़ा था। लगातार बारिश और बर्फबारी ने नेपाल के पहाड़ी इलाकों में हालात और मुश्किल कर दिए हैं। मौसम बिगड़ने के बाद पर्यटन अधिकारियों ने ट्रेकिंग और पर्वतारोहण गतिविधियों को रोकने की सलाह दी है। पर्यटन विभाग ने भी लोगों को मौसम साफ होने तक पर्यटन गतिविधियां स्थगित रखने को कहा है।

**कितने मीटर ऊंचा है हिमलुंग हिमाल :** हिमलुंग हिमाल की ऊंचाई 7,126 मीटर है और यह नेपाल के मनांग जिले में स्थित है। ऊंचाई पर पर्वतारोहण का अनुभव हासिल करने वाले पर्वतारोहियों के बीच यह चोटी काफी लोकप्रिय है। हालांकि, यहां पहुंचना आसान नहीं है। हिमलुंग हिमाल क्षेत्र में हेलीकॉप्टर उड़ाने के लिए अतिरिक्त अनुमति की जरूरत होती है। ऐसे में किसी हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान चलाना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। लापता लोगों की तलाश के बीच खराब मौसम इस चुनौती को और बढ़ा रहा है।

**नेपाल में क्यों बिगड़े हैं मौसम के हालात :** बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने मौसम तंत्र का असर नेपाल के कई हिस्सों में दिखाई दे रहा है। पहाड़ों में भारी बर्फबारी हो रही है, जबकि पहाड़ी और मैदानी इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। शुक्रवार से खराब मौसम के कारण नेपाल में कई जगह सड़क यातायात प्रभावित हुआ है।

# 55 महीने में पहली बैठक: यूएस में जर्मनी-रूस के विदेश मंत्रियों की मुलाकात, 20 मिनट में ईयू से नाटो तक बातचीत

**न्यूयार्क, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर शनिवार को जर्मनी और रूस के विदेश मंत्रियों की आमने-सामने मुलाकात हुई। रूस के यूक्रेन पर 2022 में पूर्ण पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच यह पहली ऐसी सीधी मुलाकात मानी जा रही है। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यूरोपीय संघ और रूस के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और इसके कुछ ही देर बाद रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया।

**टकराव बढ़ाने वाला रास्ता छोड़िए :** बैठक में जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने रूस से जर्मनी, यूरोप और नाटो के साथ तनाव बढ़ाने वाली अपनी 'खतरनाक राह' छोड़ने की अपील की। जर्मन प्रतिनिधिमंडल के एक अधिकारी के मुताबिक, वाडेफुल ने कहा कि जर्मनी रूस के साथ रिश्ते बेहतर करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए रूस के नेतृत्व को यूक्रेन में युद्ध खत्म करने की वास्तविक इच्छा दिखानी होगी। हाल के हफ्तों में रूस और जर्मनी के रिश्तों में तनाव और बढ़ा है। पिछले महीने लीपजिग एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले की कोशिश हुई थी। जर्मनी ने इसके लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद दोनों देशों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ जवाबी कदम भी उठाए गए। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए के मुताबिक, दोनों विदेश मंत्रियों की करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। बैठक के लिए जगह रूसी पक्ष की ओर से उपलब्ध कराई गई थी। बातचीत खत्म होने पर दोनों मंत्रियों ने एक-दूसरे से हाथ भी मिलाया।

वाडेफुल से मुलाकात के बाद रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच पर पहुंचे। अपने भाषण में उन्होंने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस का पक्ष रखा और पश्चिमी देशों पर जमकर निशाना साधा। जर्मनी भी उनके निशाने पर रहा। लावरोव ने खास तौर पर जर्मनी और जापान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता देने की चर्चा का विरोध किया। अमेरिका लंबे समय से जर्मनी, जापान और भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट दिए जाने का समर्थन करता रहा है।

नाटो और अमेरिका की आलोचना करते हुए लावरोव ने कहा कि पश्चिम अब भी 'अपने विशेषाधिकार बनाए रखने और अपने नियम दूसरों पर थोपने' की कोशिश कर रहा है, जबकि दुनिया में भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी आंखों के सामने एक अधिक न्यायपूर्ण, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था उभर रही है।' रूस ब्रिक्स समेत कई ऐसे अंतरराष्ट्रीय समूहों का हिस्सा है, जिन्हें लावरोव पश्चिमी व्यवस्था के विकल्प के तौर पर पेश करते रहे हैं। मॉस्को भी लगातार यह संदेश देने की कोशिश करता रहा है कि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों के साथ टकराव के बावजूद वैश्विक मंच पर रूस की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

# यूएन महासभा: जयशंकर की कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात, ऊर्जा और एआई पर हुई चर्चा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान भारत की कूटनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अलग-अलग बैठकों में कनाडा, मेक्सिको और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सहयोग और मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत हुई। जयशंकर ने इन मुलाकातों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अलग-अलग देशों के साथ भारत के संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

**कनाडा के साथ रिश्तों को लेकर क्या हुई बात :** जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बैठक की। उन्होंने इस मुलाकात को उपयोगी बताया। जयशंकर ने कहा कि दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। बैठक में दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब भारत और कनाडा के संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में दोनों पक्षों की बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

**मेक्सिको के विदेश मंत्री से जयशंकर ने क्या चर्चा की :** जयशंकर ने मेक्सिको के विदेश मंत्री रॉबर्टो वेलास्को अल्वारेज के साथ भी बैठक की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मद्दों पर बातचीत की। जयशंकर

ने इस बैठक की जानकारी भी साझा की। भारत और मेक्सिको के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग रहा है और संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई यह बैठक दोनों देशों के बीच संपर्क को आगे बढ़ाने का अवसर बनी। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में बैठक में उठाए गए प्रत्येक मुद्दे का अलग-अलग विवरण नहीं दिया गया है।

**वेनेजुएला के साथ ऊर्जा सहयोग क्यों अहम रहा :** जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वेनेजुएला के विदेश मंत्री फेलिक्स प्लासेंसिया गोंजालेज से मुलाकात की। उन्होंने बैठक को अच्छा बताया। जयशंकर के अनुसार, भारत और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा संबंधों में तेजी आ रही है। दोनों देशों के बीच सहयोग के दूसरे क्षेत्रों पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा मौजूदा क्षेत्रीय मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा रहे। ऊर्जा क्षेत्र भारत और वेनेजुएला के संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए इस बैठक में इस मुद्दे पर विशेष ध्यान रहा।

**एआई को लेकर भारत ने क्या रुख रखा :** इन द्विपक्षीय बैठकों से पहले जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को लेकर भारत की सोच भी रखी। उन्होंने कहा कि हर देश को अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों और प्राथमिकताओं के अनुसार अपना एआई तंत्र तैयार करने का अधिकार है। इसके लिए देश अपने मॉडल विकसित कर सकते हैं और उनके इस्तेमाल की रणनीति तय कर सकते हैं। भारत एआई को ग्लोबल साउथ के साथ अपनी साझेदारी के एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता है। जयशंकर ने एआई को मानव सशक्तीकरण, आर्थिक समृद्धि और बड़े पैमाने पर लोगों की समस्याओं के समाधान में बदलाव लाने वाली तकनीक बताया। उन्होंने तकनीक को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने और अलग-अलग संस्कृतियों को समझने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने फरवरी में एआई इंपैक्ट समिट की मेजबानी की थी, जिसमें इस क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रमुख लोग शामिल हुए थे। कुल मिलाकर, संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान जयशंकर की इन बैठकों में भारत के अलग-अलग साझेदार देशों के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर दिखाई दिया। कनाडा के साथ संबंधों को नई ऊंचाई देने, मेक्सिको के साथ द्विपक्षीय संपर्क बढ़ाने और वेनेजुएला के साथ ऊर्जा सहयोग को गति देने पर चर्चा हुई।

# 'ट्रैफिक चालान' नहीं भरा तो बिजली बिल से जुड़ सकता है बकाया: एससी

एजेंसी। नई दिल्ली

ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद ई-चालान भरने में लापरवाही करने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त कदमों पर विचार करने को कहा है। अदालत ने सुझाव दिया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बकाया ई-चालान की रकम वसूलने के लिए व्यावहारिक तरीके तलाशने चाहिए। इनमें बकाया चालान को बिजली बिल से जोड़ने का सुझाव भी शामिल है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ सोमवार को एस. राजसीकरन बनाम भारत संघ मामले में ई-चालान और ट्रैफिक नियमों के इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

### सिर्फ ई-चालान काटना काफी नहीं: सुप्रीम कोर्ट

सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि सिर्फ बड़ी संख्या में ई-चालान जारी करना पर्याप्त नहीं है। असली सवाल इन चालानों पर लगाई गई जुर्माने की रकम की वसूली का है। अदालत ने सुझाव दिया कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं तो बकाया रकम को बिजली के बिल से जोड़ने की व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है। इससे बकाया चालान जमा कराने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं, तो इसे उनके बिजली के बिल में जोड़ दें। उन्हें बिजली का बिल भरना होगा, नहीं तो बिजली की लाइन काट दी जाएगी।

### '14 साल के निर्देशों का जमीन पर क्या असर?'

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि करीब 14 वर्षों से दिए जा रहे निर्देशों का वास्तविक स्तर पर कितना पालन हुआ है। कोर्ट ने कहा कि अगर निर्देश सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे और उनका पालन नहीं होगा तो आगे सख्त कदम उठाने की स्थिति आ सकती है। अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता और अमिकस क्यूरी गौरव अग्रवाल से निर्देशों की स्थिति बताने वाला एक चार्ट तैयार करने को कहा है। इसमें अब तक जारी निर्देश, उन्हें लागू करने के लिए दिया गया समय, वर्तमान स्थिति और अमिकस की टिप्पणियां शामिल होंगी। इस मामले में आगे की कार्यवाही के दौरान बकाया ई-चालान की वसूली और सड़क सुरक्षा से जुड़े उपायों पर अदालत की दिशा स्पष्ट हो सकती है।

### 45 हजार करोड़ रुपये के ई-चालान बकाया

अदालत को बताया गया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्तर पर करीब 45,000 करोड़ रुपये के ई-चालान की रकम वसूलना बाकी है। इनमें से करीब 25,000 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में अदालत ने बकाया चालानों की वसूली के लिए कई संभावित उपायों पर चर्चा की।

### वाहन से जुड़े काम भी रुक सकते हैं

सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि जिन वाहनों पर चालान बकाया हैं, उनके लिए कुछ वाहन संबंधी सेवाओं को रोका जा सकता है। इनमें वाहन के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के नवीनीकरण, डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने और मालिकाना हक में बदलाव जैसी सेवाओं को बकाया चालान से जोड़ने पर विचार किया गया। अदालत ने परिवहन पोर्टल पर ऐसे वाहनों को ब्लैकलिस्ट करने और उनका स्वामित्व ट्रांसफर रोकने का सुझाव भी दिया। इसके अलावा, फिटनेस सर्टिफिकेट और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी पीयूसी जारी करने या नवीनीकरण पर रोक तथा ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण से जुड़े उपायों पर भी चर्चा हुई।

### सड़क पर रैंडम चेकिंग का भी सुझाव

अदालत ने बकाया ई-चालान वाले वाहनों की पहचान के लिए सड़क पर रैंडम चेकिंग करने का सुझाव दिया। यदि जांच के दौरान पता चलता है कि वाहन से जुड़ा ई-चालान लंबे समय से नहीं भरा गया है, तो नियमों के तहत जरूरी कार्रवाई करने और वाहन को जब्त करने जैसे कदमों पर विचार किया जा सकता है। पीठ ने जोर दिया कि केवल कागजों पर आदेश जारी करने के बजाय इन उपायों का जमीन पर प्रभावी तरीके से पालन होना चाहिए।

### 2012 से चल रही है सड़क सुरक्षा की सुनवाई

यह मामला 2012 में कोयंबटूर के ऑर्थोपेडिक सर्जन एस. राजसीकरन की ओर से दायर जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिका में सड़क सुरक्षा, सड़क हादसों को कम करने, बेहतर बुनियादी ढांचे और दुर्घटना के बाद पीड़ितों को उचित सहायता उपलब्ध कराने के लिए समन्वित कदम उठाने की मांग की गई है।

**वायु प्रदूषण के खिलाफ अहम बैठक:** उम्र पूरी कर चुकीं गाड़ियों पर होगा एक्शन

# 2.5 लाख वाहनों की फिटनेस होगी चेक

- भारत के लिए 85 प्रतिशत कच्चा माल चीन से आता है, भारत में 15 फीसद बनता है

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण को लेकर एक बैठक हुई। जिसमें कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। राज्य मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक व्यापक योजना पर काम चल रहा है। साथ ही, इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने और सर्दियों के लिए विशेष इंतजाम करने की भी बात कही। राज्य मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'आज केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण को लेकर एक बैठक हुई, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली पीडब्ल्यूडी के प्रवेश वर्मा शामिल हुए। इसमें प्रदूषण के खिलाफ ठोस कार्रवाई की योजना पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि हमने एनसीआर में प्रदूषण कम करने और इस कोशिश में दिल्ली और एनसीआर की भूमिकाओं पर बात की। बैठक में सुझाए गए कदमों के बारे में बताते हुए कहा, हमारी 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' पॉलिसी को और सख्ती से लागू किया जाएगा। दिल्ली के सभी 500 पेट्रोल पंपों पर, जहां एएनपीआर कैमरे लगे हैं। साथ ही 'एंड-ऑफ-लाइफ' (अपनी उम्र पूरी कर चुकीं) गाड़ियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए अक्तूबर में जन-जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा और नवंबर में पीयूसी सेंटरों को अपग्रेड किया जाएगा। तीन ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशनों के जरिए 2.5 लाख गाड़ियों की फिटनेस जांच की जाएगी।

### दिल्ली को 150 और ई-बसें मिलेंगी

सिरसा ने बताया कि दिल्ली में 588 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं। इनमें 150 और बसें जोड़ी जाएंगी। उन्होंने 11 जिलाधिकारियों के कार्यालयों का दौरा कर प्रदूषण हॉटस्पॉट के 3 किलोमीटर दायरे में गतिविधियों की समीक्षा की। 62 चिह्नित प्रदूषण हॉटस्पॉट में से 42 पर प्रदूषण स्तर नियंत्रित किया जा चुका है। शेष हॉटस्पॉट पर भी काम जारी है। श्मशान घाट, डंपिंग साइट और निर्माण स्थलों जैसे विशिष्ट स्थानों पर ध्यान दिया जा रहा है। जिलाधिकारियों के माध्यम से इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से निपटाया जा रहा है।

### अन्य पहल और सर्दियों की तैयारी

सड़कों के किनारों से उठने वाली धूल को रोकने के लिए 'ब्राउन पैच' और हरियाली विकसित की जाएगी। यह जनभागीदारी अभियान के तहत होगा। सड़कों की गहरी सफाई की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, जो हर पखवाड़े की जाएगी। 'जीरो बर्निंग' पहल के तहत इस बार 'हीटिंग स्पॉट' बनाए जाएंगे। अस्थायी आश्रय स्थलों में ठंड से बचाव के लिए हीटिंग की व्यवस्था होगी।

# एसआईआर पर दुष्यंत दवे के सवाल

## चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट की भूमिका पर जताई चिंता

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाए। इसके साथ ही दवे ने भारतीय न्यायपालिका को लेकर भी कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की भी आलोचना की। दुष्यंत दवे ने यह तमाम बातें केरल में आयोजित 17वें केएम बशीर मेमोरियल लेक्चर में कहीं। दवे ने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर लोगों के मतदान के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनकी पत्नी को भी मतदाता सूची में शामिल किए जाने को लेकर नोटिस मिला है। दवे ने कहा, ''चुनाव आयोग और भारत के सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद, बालिग मताधिकार खत्म होता जा रहा है, क्योंकि एसआईआर के नाम पर सभी को, यहां तक कि मुझे और मेरी पत्नी को भी नोटिस मिला है कि क्या हमें वास्तव में मतदाता सूची में शामिल किया जाना चाहिए या नहीं।'

### न्यायपालिका में विविधता की कमी का मुद्दा

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, दवे ने न्यायपालिका में सामाजिक और लैंगिक विविधता की कमी को भी न्याय देने की प्रक्रिया से जोड़ा। उन्होंने कहा कि देश के ज्यादातर जज ऊंची जातियों से आते हैं और बड़ी संख्या में जज कानूनी बिरादरी से ही आते हैं। पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का जिक्र करते हुए दवे ने कहा, ''जस्टिस चंद्रचूड़ खुद को महान और उदारवादी जज बताते थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में 17 जजों की नियुक्ति की। उनमें एक भी महिला नहीं थी।''

### एसआईआर पर चिंता जताते हुए क्या बोले दुष्यंत दवे?

वरिष्ठ अधिवक्ता दवे ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़ी हालिया रिपोर्टों के संदर्भ में एसआईआर को लेकर अपनी चिंता जताई है। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसआईआर को जारी रखने की अनुमति दिए जाने से बड़ी संख्या में मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनाव हो चुके हैं और एसआईआर की वजह से लाखों लोग मताधिकार से वंचित हुए।

# उज्जैन शाही मस्जिद विवाद: तीन फीट हिस्सा और दुकान हटाने पर बनी सहमति, हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद फैसला

एजेंसी। इंदौर

इंदौर हाईकोर्ट में सोमवार को उज्जैन की शाही मस्जिद से जुड़े निर्माण विवाद को लेकर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से विवाद का समाधान हो गया। इसके बाद न्यायालय ने समझौते की शर्तों को स्वीकार करते हुए याचिका का निराकरण कर दिया। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से विवादित निर्माण के करीब साढ़े 9 फीट हिस्से को हटाने की मांग की गई थी। निर्माण को लेकर विवाद सामने आने के बाद संबंधित पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

### दोनों पक्षों की सहमति

दोनों पक्षों की सहमति से तय शर्तों को न्यायालय के समक्ष रखा गया। कोर्ट ने समझौते की शर्तों को स्वीकार करते हुए याचिका का निराकरण कर दिया। अब संबंधित पक्ष समझौते के अनुसार विवादित हिस्से को हटाने और दुकान को तोड़ने की कार्रवाई करेंगे। मामले में शाही मस्जिद की ओर से अधिवक्ता कुलदीप पाठक ने पक्ष रखा। उन्होंने सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति और विवाद के समाधान की स्थिति से न्यायालय को अवगत कराया। मस्जिद के निर्माण से जुड़े हिस्से को लेकर स्थानीय स्तर पर विवाद की स्थिति बनी हुई थी। इसी विवाद के चलते मामला हाई कोर्ट पहुंचा था। याचिका में करीब साढ़े 9 फीट निर्माण हटाने की मांग की गई थी, लेकिन सुनवाई के दौरान आपसी सहमति से करीब तीन फीट हिस्सा हटाने और एक दुकान तोड़ने पर सहमति बनी। अदालत द्वारा याचिका का निराकरण किए जाने के बाद अब समझौते के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### सुनवाई के दौरान क्या-क्या चर्चा हुई

सोमवार को सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच चर्चा हुई। पक्षकारों ने न्यायालय के समक्ष आपसी सहमति से विवाद का समाधान करने का प्रस्ताव रखा। चर्चा के बाद दोनों पक्ष एक समझौते पर पहुंचे। समझौते के तहत करीब तीन फीट विवादित हिस्से को हटाने और एक दुकान को तोड़े जाने पर सहमति बनी।

# वोटर लिस्ट से नाम हटाने पर चिदंबरम का बयान, बोले, नतीजों की वजह सिर्फ यही नहीं

एजेंसी। शिवगंगा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के दावे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के नाम हटाना गलत था और जिन लोगों के नाम हटाए गए, उन्हें सूची में शामिल किया जाना चाहिए था। लेकिन चिदंबरम ने यह मानने से इनकार किया कि सिर्फ नाम हटाए जाने की वजह से टीवीके की जीत और डीएमके की हार हुई। उन्होंने कहा कि चुनाव में वोटों में हेरफेर के दावे को विपक्ष को साबित करना होगा। चिदंबरम ने देशभर में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर भी कांग्रेस का रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं तो उनके खिलाफ आगे की रणनीति कांग्रेस कार्यसमिति और इंडिया गठबंधन की बैठकों में तय होगी। इसमें संसद में उन्हें हटाने का प्रस्ताव लाने जैसे विकल्पों पर फैसला हो सकता है। यह विवाद ऐसे समय भीतर मतदाता सूची के पुनरीक्षण, नाम हटाने और जोड़ने से जुड़े कुछ फैसलों और निर्देशों पर मतभेद की खबरों के बीच आया है। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन मतभेदों को लेकर कहा है कि किसी भी संस्था में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय आना सामान्य बात है। आयोग के मुताबिक, उसके सभी आदेश कानूनी आधार रखते हैं और तय वैधानिक प्रक्रियाओं के तहत जारी किए जाते हैं। यानी एक तरफ विपक्ष चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर सवाल उठा रहा है, वहीं आयोग अपने फैसलों को कानूनी प्रक्रिया के तहत बता रहा है।

### क्या चिदंबरम ने दोबारा चुनाव कराने की मांग की?

कांग्रेस नेता चिदंबरम ने तमिलनाडु में दोबारा चुनाव कराने की मांग को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि संविधान पूरे हो चुके चुनावों में दोबारा चुनाव कराने की अनुमति नहीं देता। इसके बजाय उन्होंने एसआईआर और मतदाता सूची से जुड़े दूसरे कदमों में बदलाव की मांग रखी। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में एसआईआर तत्काल रोका जाना चाहिए और कथित तौर पर हटाए गए मतदाताओं के नाम वापस जोड़े जाने चाहिए।

### पूरे विवाद का सबसे बड़ा मुद्दा क्या?

कांग्रेस नेता ने कहा कि देशभर में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन हुए हैं और कारैकुडी में भी विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने 20 राज्यों में कथित तौर पर हटाए गए 13.3 करोड़ नामों को बहाल करने की मांग उठाई, खास तौर पर बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा और पश्चिम बंगाल का जिक्र किया। हालांकि, तमिलनाडु चुनाव के संदर्भ में उनका रुख अलग है।

### चुनाव आयोग को लेकर बवाल क्यों?

चिदंबरम का बयान चुनाव आयोग के

# जेपी नड्डा का विपक्ष पर हमला, बोले, चुनाव आयोग ने आरोपों की खोल दी पोल

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को चुनाव आयोग पर विपक्ष के आरोपों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने विपक्ष के सभी झूठों का पर्दाफाश कर दिया है। विपक्षी नेताओं पर जनता को गुमराह करने और देश में भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

### जेपी नड्डा ने क्या कहा?

पत्रकारों से बात करते हुए नड्डा ने कहा कि तथ्यों की कसौटी पर परखने पर विपक्ष के आरोप बार-बार खारिज किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके आरोपों की सच्चाई चुनाव आयोग और देश की सर्वोच्च अदालतों के सामने भी आ चुकी है। नड्डा ने कहा, 'अब चुनाव आयोग ने सारे झूठ बेनकाब कर दिए हैं।' उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के सभी सदस्यों के जवाब देने के बावजूद वे आरोप लगाते रहते हैं।

### राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल आरोप लगाते हैं और चले जाते हैं। उन्हें जनहित से कोई लेना-देना नहीं है।'

### 'विपक्ष के पास इरादा और विजन की कमी'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब विपक्ष के पास इरादा और विजन की कमी होती है, तो वे देश में भ्रम पैदा करने और माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। नड्डा ने कहा, 'हमने कुछ दिन पहले देखा कि कैसे एक मनगढ़ंत खबर के आधार पर देश भर में माहौल खराब करने की कोशिश की गई थी। अब, चुनाव आयोग के सभी सदस्यों द्वारा उनके आरोपों का जवाब दिए जाने के बाद भी, वे एक बार फिर देश का माहौल खराब करने की कोशिशों में लगे हुए हैं।'

### राहुल गांधी को लेकर क्या कहा?

राहुल गांधी पर सीधा निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा, 'राहुल गांधी, ध्यान से सुनिए किसी झूठ को सौ बार दोहराने से वह सच नहीं बन जाता, और सच को कभी हराया नहीं जा सकता।' नड्डा ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी समेत विपक्ष के नेताओं की राजनीति संवैधानिक और स्वायत्त संस्थाओं पर सवाल उठाने तक ही सिमटती जा रही है। उन्होंने कहा, 'आरोप लगाना, भ्रम फैलाना, देश का माहौल खराब करना और फिर भाग जाना यही उनके काम करने का तरीका बन गया है।' नड्डा ने सत्ता के प्रति और विपक्ष के नजरिए में भी अंतर बताया और कहा कि पार्टी सत्ता को जनता की सेवा का जरिया मानती है।

### विपक्ष के लिए सत्ता का मतलब क्या है?

नड्डा ने कहा, 'भाजपा के लिए सत्ता 140 करोड़ लोगों के हितों की सेवा करने का माध्यम है।' उन्होंने कहा कि भाजपा का मकसद देश के नागरिकों की सेवा करना और अंत्योदय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना है, जबकि विपक्ष पर वंशवादी राजनीति और अपने निजी हितों के लिए सत्ता हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता विपक्ष के दोहरे मापदंडों और नकारात्मक राजनीति को समझ चुकी है। इसके साथ ही जोर देकर कहा कि अस्थिरता पैदा करने की किसी भी कोशिश का जवाब जनता लोकतांत्रिक तरीके से देगी।

# यूपीआई शुल्क पर रोक लगाने से सर्वोच्च न्यायालय का इनकार

- याचिका में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए गजट नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई है

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यूपीआई चार्ज से जुड़े मामले पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार, आरबीआई और एनपीसीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में यूपीआई ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगाने के गजट नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है, जिसमें सरकार को ये विवरण देना है कि उसने 2000 से ज्यादा के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क लगाने का फैसला क्यों किया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने एडवोकेट अंजन दत्ता की याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिया। याचिका में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए गजट नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई है।

# विदेशी सोने की तस्करी नाकाम: डीआरआई ने 10.36 करोड़ का गोल्ड किया जब्त, 11 गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने संगठित सोना तस्करी पर निरंतर कार्रवाई करते हुए, पूरे भारत में फैले सोना तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में लगभग 10.36 करोड़ रुपये कीमत का 6.61 किग्रा. विदेशी तस्करी वाला सोना जब्त किया गया है। यह सिंडिकेट कूरियर नेटवर्क के माध्यम से काम करता था। पिछले नौ महीनों में कूरियर चैनलों के जरिए 475 करोड़ रुपये का 318 किग्रा. तस्करी वाला सोना ट्रांसपोर्ट कर चुका था। इस केस में एक मास्टरमाइंड समेत ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पश्चिम बंगाल और असम में भारत-बांग्लादेश सीमा के माध्यम से विदेशी सोने की नियमित तस्करी और फिर कूरियर खेप के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में इसके आवागमन के बारे में विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, डीआरआई ने 23-24 सितम्बर, 2026 को एक समन्वित मल्टी-सिटी अभियान चलाया। तस्करी वाले सोने से भरे कूरियर खेप को इंटरसेप्ट किया गया।

### छोटे-छोटे पैकेट में बांटकर भेजते थे सोना

कंसाइनमेंट पाने वालों में से सात को पकड़ा गया, जबकि कोलकाता में कंसाइनर/शिपर के ठिकानों पर एक साथ तलाशी लेने पर तीन और लोगों को पकड़ा गया। त्वरित अनुवर्ती कार्रवाई में तस्करी वाला सोना भेजने और डिलीवरी करने वाले मास्टरमाइंड में से एक को भी मुंबई में पकड़ लिया गया।

# पारादीप के पास समुद्र में पलटने से बचा तेल टैंकर, 23 क्रू सदस्य सुरक्षित

एजेंसी। नई दिल्ली

ओडिशा के पारादीप के पास समुद्र में एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। बेलीज के झंडे वाला टैंकर एमटी सीगल-9 मुसीबत में फंस गया था। जहाज पर करीब नौ हजार टन पाम ऑयल लदा था। इसमें चालक दल के 23 सदस्य सवार थे। जहाज का मुख्य इंजन अचानक खराब हो गया। इसके बाद उसके बैलास्ट टैंक में पानी भरने लगा। इससे जहाज एक तरफ तेजी से झुक गया। उसके पलटने का खतरा बढ़ गया था।

### जहाज ने कब मांगी मदद?

जहाज ने 27 सितंबर की सुबह करीब 7:30 बजे मदद के लिए संदेश भेजा। उस समय एमटी सीगल 9 पारादीप से करीब 37 समुद्री मील दूर था। जहाज पारादीप के पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा में था। सूचना मिलते ही भारतीय तटरक्षक बल ने कार्रवाई शुरू की। तटरक्षक बल ने आईसीजीएस विश्वस्त को मौके पर भेजा।

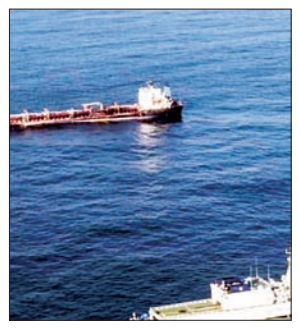

### जहाज में पानी भरने से क्या हुआ?

मुख्य परेशानी बैलास्ट टैंक में पानी भरने से हुई। पानी तेजी से अंदर जा रहा था। इससे जहाज का संतुलन बिगड़ गया। वह एक तरफ झुक गया। ऐसे में उसके पलटने का खतरा था। भारतीय तटरक्षक बल की विशेष टीम तुरंत जहाज पर पहुंची। टीम ने चुनौतीपूर्ण हालात में काम शुरू किया।

### तटरक्षक बल ने जहाज को कैसे संभाला?

तटरक्षक बल की टीम ने खास पंपों की मदद से जहाज से पानी निकालना शुरू किया। इसके साथ ही पानी आने के रास्तों को बंद किया गया। इससे जहाज में पानी भरना रुका। जहाज को फिर से स्थिर करने में मदद मिली। इस घटना के साथ समुद्री प्रदूषण का खतरा भी था। जहाज पर बड़ी मात्रा में पाम ऑयल था। इसलिए तटरक्षक बल ने प्रदूषण से निपटने की तैयारी भी की। एक प्रदूषण नियंत्रण पोत और एक अतिरिक्त अपतटीय गश्ती पोत को मौके पर भेजा गया। दोनों पोतों ने इलाके में निगरानी शुरू की।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com